डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शनिवार 4 फरवरी,2023 वर्ष–07 / अंक–265 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता चुने गए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट () की वेबसाइट पर जारी सूची में पीएम मोदी 78 फीसदी ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के साथ टॉप पर हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समेत 16 देशों के दिग्गज नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। पीएम मोदी को दुनिया भर में वयस्कों के बीच सबसे ज्यादा रेटिंग मिली है। इस सूची में दूसरा स्थान मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर को मिला है जिन्हें 68 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। जबकि तीसरे स्थान पर स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति अलैन बेरसेट हैं जिन्हें 62 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। सर्वे के मुताबिक साल 2021 के बाद पीएम मोदी की लोकप्रियता और भी बढ़ गई है।

टॉप पांच से बाइडन तो टॉप 10 से सुनक बाहर

बता दें कि इस सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को टॉप पांच में भी जगह नहीं मिली है। इस सूची में बाइडन को 40 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ सातवां स्थान मिला है। वहीं सुनक को इस सूची में 30 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ13वां स्थान प्राप्त हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के पीएम को चौथा तो ब्राजिल के राष्ट्रपति को पांचवां स्थान

इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज को 58 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ चौथा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को 50 फीसदी रेटिंग के साथ पांचवां स्थान मिला है।

कृष्णगुरू एकनाम अखंड कीर्तन में शामिल हुए पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम के बारपेट में कृष्णगुरू एकनाथ अखंड कीर्तन में भाग लिया। कृष्णगुरू सेवाश्रम में आयोजित होने वाले इस कीर्तन में प्रधानमंत्री वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। उन्होंने कहा, कृष्णगुरु एक नाम अखंड कीर्तन का आयोजन पिछले एक महीने से चल रहा है। मुझे खुशी है कि ज्ञान, सेवा और मानवता की जिस प्राचीन भारतीय परंपरा को कृष्ण गुरु जी ने आगे बढ़ाया वो आज भी निरंतर गतिमान है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कृष्णगुरु जी ने विश्व शांति के लिए हर 12 वर्ष में एक मास के अखंड नामजप और कीर्तन का अनुष्ठान शुरू किया था। हमारे देश में तो 12 वर्ष की अवधि पर इस तरह के आयोजनों की प्राचीन परंपरा रही है और इन आयोजनों का मुख्य भाव रहा है।

देश में जो जितना पीछे, वह पहली प्राथमिकता

पीएम मोदी ने कहा, आज विकास की दौड़ में जो जितना पीछे है, देश के लिए वो उतनी ही पहली प्राथमिकता है। यानि जो वंचित है, उसे देश आज वरीयता दे रहा है। आज देश असम और नॉर्थ ईस्ट के विकास को वरीयता दे रहा है। इस बार के बजट में भी देश के इन प्रयासों और हमारे भविष्य की मजबूत झलक दिखाई दी है। पूर्वोत्तर की इकॉनमी और प्रगति में पर्यटन की एक बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, इस बार के बजट में पर्यटन से जुड़े अवसरों को बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। देश में 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स को विशेष अभियान चलाकर विकसित किया जाएगा।

रक्तदान करना मानवता की बड़ी सेवा करना है--प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे

मंडला––शासकीय जेएमसी कन्या महाविद्यालय में भागीरथ समाज सेवा परिवार अशासकीय संस्था के द्वारा सिकिल सैल बीमारी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं, तथा इससे बचाव के उपाय बताये गए तथा रक्तदान करने की प्रेरणा दी गई। प्राचार्य प्रो(डॉ) शरद नारायण खरे ने कहा कि हेल्थी डाइट लेने से शरीर में प्रतिरोधक क्षमता आती है, पर्याप्त रक्त बनता है,जिससे बीमारियों से बचाव होता है। उन्होंने रक्तदान करने को एक बहुत ही पावन व महान कार्य निरूपित किया। कार्यक्रम का संचालन विजया श्याम ने किया।

ओवर ब्रिज का अभाव यातायात जाम की समस्या का बना मुख्य कारण

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) । उत्तर रेलवे के वाराणसी –प्रतापगढ़ –लखनऊ रेल प्रखण्ड पर स्थित बादशाहपुर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी केबिन के निकट जौनपुर–मुंगराबादशाहपुर – प्रयागराज राज मार्ग पर स्थित रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज का अभाव लोगो की परेशानी का सबब बन चुका है द्यआलम यह है कि ट्रेनों का आवागमन अधिक होने से ज्यादातर समय रेलवे फाटक बंद होने से मुंगराबादशाहपुर की यातायात व्यवस्था को ध्वस्त हो जाती है। मुंगराबादशाहपुर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु पूर्व थाना प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय द्वारा वेरीकेटिंग की व्यवस्था करने के साथ ही वाहनों के आवागमन को वन साइडेड किया गया लेकिन वह अधिक प्रभावशाली नहीं साबित हो सकाध् । बताते चलें कि सड़क मार्ग से गोरखपुर, जौनपुर , आजमगढ़ शाहगंज बदलापुर सुजानगंज के साथ ही मुंगराबादशाहपुर नगर एवं सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र को प्रयागराज से जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर वाहनों का दबाव अधिक है । रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज का नहीं होने से ट्रेनों के आने जाने के समय रेलवे फाटक बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लम्बी कतार लग जाती है । अधिकांशतः कालेजों एवं महाविद्यालयों के इसी मार्ग पर होने के कारण आवागमन का दबाव बना रहता है । इसके साथ ही साथ लोगों का प्रमुख व्यवसाय एवं आपातकालीन चिकित्सा के लिए भी प्रयागराज ही जाना होता है द्य लगातार ट्रेनों की बढ़ती संख्या की वजह से यह समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। लोगों का मानना है कि यदि क्रासिंग पर ओवर ब्रिज का निर्माण करा दिया जाए तो लोगो को इस समस्या से निजात मिल जायेगी द्य बताया जाता है कि मुंगराबादशाहपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए वर्ष 2016–17 के रेल बजट मे भी दर्शाया गया था लेकिन निर्माण कार्य शुरू नही किया जा सका । लोगो का मानना है कि क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों द्वारा कोई सार्थक प्रयास नही किया गया द्यजिसके कारण समस्या दिन प्रतिदिन भयावह होती जा रही है ।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर नही हुई कार्यवाही तो सड़क करेंगे जाम प्रमोद शर्मा

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्या का विवादित बयान तेजी से तूल पकड़ता चला जा रहा है बिगत दिनों जनपद जौनपुर के बदलापुर तहसील परिसर हनुमान मंदिर पर अखिल भारतीय हिंदू गौरव महासभा के कार्यकर्ताओं द्वारा मौर्या पर थानाध्यक्ष बदलापुर द्वारा कार्यवाही न करने पर भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन किया गया था तीन घँटे बाद जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय बिधायक रमेश चंद्र मिश्रा के प्रयास और कार्यवाही करवाने के आश्वासन पर अनशन तोड़वाय गया था उक्त कार्यकर्ताओ द्वारा श्री मिश्र बिधायक के सम्मान में पुलिस प्रशासन को एक सप्ताह के अंदर कार्यवाही करने का मौका दिया गया था प्रेस क्लब लखनऊ के पत्रकार वार्ता में अखिल भारतीय हिंदू गौरव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि थानाध्यक्ष और क्षेत्राधिकारी बदलापुर को एक हफ्ते का समय दिया है कार्यवाही न करने पर बदलापुर चौराहे का चारो सड़क जाम करवाने के लिए मजबूर होंगे पीछे नही हटने वाले हैं जो हमारे सनातन के खिलाफ जाएगा उसे ईट का जबाव पत्थर से देने का काम किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो सनातन के सम्मान में पूरे जनपद के सड़क को जाम करवाने का कार्य किया जायेगा।

कृपाशंकर सिंह की पौत्री डॉ प्रियंका सिंह के तिलकोत्सव में पहुंचे वीवीआईपी

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष कृपाशंकर सिंह की पौत्री (भतीजे हनुमान सिंह की पुत्री) और समाजसेवी अभय नारायण सिंह के सुपुत्र डॉ आनंद सिंह के तिलकोत्सव (1 फरवरी)में अनेक गणमान्य लोगों ने पहुंचकर आशीर्वाद दिया। मीरा रोड पूर्व के जीसीसी क्लब में आयोजित शानदार कार्यक्रम में पहुंचने वाले अति विशिष्ट लोगों में मीरा भायंदर वसई विरार के पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे, मीरा भायंदर महानगरपालिका आयुक्त दिलीप ढोले, पूर्व विधायक रमेश सिंह ठाकुर, पूर्व सांसद हरिवंश सिंह, देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी, उत्तर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, एड के एच गिरी,चित्रसेन सिंह डॉक्टर राजेंद्र सिंह, उद्योगपति रमेश धनराज सिंह, शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह, समाजसेवी रत्नाकर मिश्र, कमलेश दुबे, शिवसेना प्रवक्ता आनंद दुबे, नगरसेविका शानू गोहिल, शिव सेना संगठक ठाकुर मनोज सिंह, एड राजकुमार मिश्रा, एड आरपी पांडे,वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, अखिलेश सिंह, जितेंद्र सिंह ,अवनीश सिंह, समाजसेवी कृपाशंकर पांडे, आदिनाथ पांडे, एमपी सिंह, समाजसेवी विनय शुक्ला , सतीश सिंह , साठे कुमार सिंह, अनिल सिंह, जनार्दन सिंह,भाजपा युवा नेता जीतू यादव, कांग्रेस नेता दीपक यादव आदि का समावेश रहा। कार्यक्रम में आने वाले लोगों का कृपाशंकर सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता श्यामराज सिंह तथा डॉ चिराग सिंह ने स्वागत किया।

पीड़ित डीजे मालिक के समर्थन में उतरा भारतीय उद्योग व्यापार मंडल

कन्नौज ।आज भारतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश कन्नौज जिला अध्यक्ष राज शर्मा के नेतृत्व में डीजे संचालक के साथ जिला अधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ला कन्नौज से मुआवजा दिलाए जाने के संबंध में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संगठन के साथ पीड़ित डीजे एवं बैंड मालिक सुनील कुमार को लेकर वार्ता की । बीती 21 जनवरी को बिजली ट्रांसफार्मर के फटने की वजह से मकरंद नगर नारायण टॉकीज के पास ज्वलनशील तेल के कारण संध्या डीजे एवं बैंड मालिक की दुकान में लगभग 4 से घ्5 लाख रुपए का जलकर राख हो गया था, पीड़ित बैंड मालिक के पक्ष में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल कन्नौज ने जिलाधिकारी से दैवी आपदा कोष या मुख्यमंत्री राहत कोष से पीड़ित की सहायता के लिए वार्ता करके मुआवजा दिलाए जाने की मांग की, जिस से पीड़ित परिवार अपने व्यवसाय को दोबारा चालू करने का अवसर प्राप्त हो ।इस मौके पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल कन्नौज के जिला वरिष्ठ महामंत्री रमेश मेहरोत्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद तिवारी, व्यापारी नेता संजीव पटेल, संजीव अग्निहोत्री, संतोष तिवारी , गौतम जैन, जयंत प्रताप एवं अन्य नेता मौजूद रहे ।

श्रीरामचरितमानस शीघ्र ही घर-घर वितरित-सरदार पतविंदर सिंह

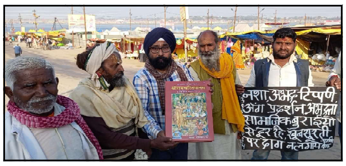

श्रीरामचरितमानस अवधी में लिखा गया महाकाव्यस व्यापकता से देखें,तो तुलसीदास का योगदान लोगों को जोड़ने में हैस नैनी प्रयागराज ध्भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह अरैल संगम तट पर श्रद्धालुओं के मध्य विचरण करते हुए कहा कि श्री रामचरितमानस अवधी में लिखा गया महाकाव्यस भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि यह संयोग की बात है कि हमारे कई मित्र अवध क्षेत्र से भी हैं घर–घर में अवधि का प्रयोग बहुधा होता है बड़े–बुजुर्ग जब कभी घर से बाहर जाते हैं तो सहेजना नहीं भूलते है ष्बाल–बच्चन का तांडव रहिहोष्स यानी सीधा सा उसका भावार्थ है कि बच्चों का विशेष ध्यान रखनासकोस–कोस पर पानी बदले,पाच कोस पर बानीसइसलिए अवध क्षेत्र से ताड़ना (देखभाल)जौनपुर,काशी आते–आते ताड़लेना(समझ जाना) हो गया,तो आश्चर्य नहीं। श्री रामचरितमानस अवधी में लिखा गया महाकाव्य है, कुछ उच्छेदवादी मानसिकता के लोगों ने समाज और राष्ट्र में अशांति तथा अस्थिरता पैदा करने के लिए ग्रंथ को अपना हथियार बनाया भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि बहुत शीघ्र ही घर–घर श्रीरामचरितमानस महाकाव्य ग्रंथ को वितरित किया जाएगा परिवार,समाज को अपने ग्रंथों,पौराणिक चरित्रों को सीखना चाहिए व्यापकता से देखें,तो तुलसीदास का योगदान लोगों को जोड़ने में है तोड़ने में कतई नहींस इस अवसर पर सतीश केसरवानी,राजेश थापा,लल्लू केसरवानी,पंडित दामोदर,अजीत, प्रदीप,संदीप,हरमनजी सिंह,दलजीत कौर आदि स्वयंसेवक रहे।

बीएमसी शिक्षक ओमप्रकाश मिश्रा की सेवा सम्पूर्ति सम्मान समारोह संपन्न

बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग द्वारा संचालित सहकार नगर हिंदी मनपा शाला के प्रभारी मुख्याध्यापक ओमप्रकाश देवराज मिश्रा की शाला के सभागार कक्ष में आयोजित भव्य समारोह में शानदार विदाई की गई। समारोह के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित प्रशासकीय अधिकारी किशन पावडे पाटिल ने ओम प्रकाश मिश्रा की सेवाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में वरिष्ठ पत्रकार श्रीनारायण तिवारी, मुख्याध्यापक गंगा प्रसाद तिवारी,पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी, शाखा प्रमुख दीपक पाटिल, इमारत प्रभारी नीना राय, मुख्याध्यापक किशोर जाधव, अखिलेश तिवारी , सुनील कुमार पांडे ,देवी प्रसाद मिश्र, गुलाब मिश्र, दीपक पाठक ,सुरेंद्र कुमार मिश्र, अशोक कुमार भट्ट, आनंद सिंह, लीलावती सिंह, विनोद मिश्रा समेत वार्ड के सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापक ,शिक्षक तथा अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुख्याध्यापक देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया तथा आभार प्रदर्शन शिक्षा निरीक्षक जगदीश गायकवाड ने किया। अंत में राष्ट्रगान और स्वरूचि भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अवधूत आश्रम में माता रेणुका जोशी को संत समाज एवं गणमान्यजनों ने दी श्रद्धांजलि

कुरुक्षेत्र कुरुक्षेत्र के पिहोवा मार्ग पर स्थित श्री बड़ा उदासीन अखाड़ा अवधूत आश्रम में आज आश्रम एवं षडदर्शन साधुसमाज के अध्यक्ष परम पूज्य परमहंस ज्ञानेश्वर जी महाराज के सानिध्य में संत समाज ने पूज्य माता रेणुका जोशी को श्रद्धांजलि दी गई।

पूज्य माता रेणुका जोशी जी पुणे निवासी पिछले लगभग 20 वर्षो से अवधूत आश्रम में रहती हुई पूज्य गुरुदेव परमहंस ज्ञानेश्वर जी का सत्संग लाभ कर रही थी।

माता जी पिछले कई वर्षो से आश्रम के निरूशुल्क चिकित्सालय में रोगियों का पंजीकरण एवं औषधि वितरण का कार्य सेवाभाव से कर रही थी।

सभी व्यक्ति उन्हें माता जी कह कर पुकारते थे।

अपने हंसमुख स्वभाव व शालीन व्यवहार के कारण वह सभी रोगियों व अन्य आगंतुकों में बहुत लोकप्रिय थी।

माता जी ने 16 जनवरी उतरायण को प्रात रू सभी नित्य कर्म से निवृत्त होकर सत्संग मुद्रा में ही अपना शरीर प्रभु चरणों में त्याग दिया।

आश्रम में पूज्य माता जी के निमित रखे गए गरुड़ पुराण पाठ का भोग आज 2 फरवरी बृहस्पतिवार भीष्म द्वादशी पर संत समाज द्वारा हवन यज्ञ कर श्रद्धांजलि दी गई और संत समाज का भंडारा हुआ। इस अवसर पर षडदर्शन साधुसमाज के अध्यक्ष परमहंस ज्ञानेश्वर जी महाराज, कोषाध्यक्ष महंत महेश मुनि, संगठन सचिव वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक, उपाध्यक्ष महंत गुरुभगत सिंह, महंत सुनील दास, स्वामी रोशन पुरी, राजेंद्र प्राशर, कोतवाल महंत विशाल दास, महंत अवध दास, स्वामी दर्शन दास,स्वामी गणेश दास, स्वामी देवी शरण, मंगलानंद और पुणे से आई अनिता नवलगुंद, मेधा नवलगुंद विज्ञानिक , मंगलमूर्ति जोशी, निखिल जोशी,निरंजन जोशी, चिन्मई जोशी, सावित्री जोशी, श्लोक जोशी इत्यादि ने माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।

फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।

फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।

फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।

4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000

क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।

क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।

कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में सम्पर्क करें।

9918366626

समर्थन मूल्य पर खरीदे गेहूं का वजन बढ़ाने के लिए मिलाई रेत और धूल

सतना। जिले में फिर एक बड़ा मामला सामने आया जहा समर्थन मूल्य पर खरीदे गए गेहूं में मिलावट करते हुए तस्वीर वायरल हुई है रामपुरबघेलान क्षेत्र के बांधा गांव स्थित साइलो में गेहूं का वजन बढ़ाने रेत और धूल मिलाई जा रही। इंटरनेट मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया।इंटरनेट मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा ये वीडियो बांधा स्थित साइलो का है जिसमें समर्थन मूल्य पर गेहूं का भंडारण है। इस साइलो में पिछले दो साल में समर्थन मूल्य पर खरीदा गया 7 लाख क्विंटल गेहूं का भंडारण है। अब यह गेहूं जिले से बाहर भेजा जा रहा अब तक करीब तीन लाख क्विंटल गेहूं का भरतीय खाद्य निगम के माध्यम से अन्य जिलों में भेजा जा चुका और गेहूं का परिवहन हो रहा यहीं से एक वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हुआ है जिसमें गेहूं में धूल और रेत मिलाई जा रही वाकायदा टैक्टर में रेत धूल लाई गई और फिर गेहूं में मिलाई जा रही। इसी मिलावट के खेल की पड़ताल करनें हम पहुंचे बांधा स्थित साइलो , जहां वीडियो में दिखने वाला टैक्टर मौजूद मिला और कैंपस भी वही दिखा जो वायरल वीडियो में दिखा हालांकि इस मामले में ज्योति दास सहायक प्रबंधक साइलो साजिश बता रहे उनकी मानें तो यहां मिलावट नहीं हो सकती ,किसी की शरारत होगी ,वायरल वीडियो अपने ही साइलो का होना बता रहे।बता दें कि हाल ही में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी क्रेंद्र में धान में रेत और पत्थर मिलाने की तस्वीर वायरल हुई थी प्रशासनिक जांच में मिलावट सिद्ध हुई और महिला स्वसहायता समूह के अध्यक्ष और खरीदी केंद्र प्रभारी पर एफआईआर दर्ज हुई अब नया मामला सामने आया है।

इनका कहना वायरल वीडियो को देखकर जांच का दिया गया है जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अमृत पीढ़ी बनेगी विकसित भारत का आधार राज नेहरू

कौशिक। केंद्र सरकार के बजट में कौशल पर विशेष फोकस। नए युग के लिए तैयार होंगे कुशल मानवीय संसाधन। 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान से बनेगा देश में कौशल के प्रति वातावरण। तीन साल में 47 लाख प्रशिक्षुओं को वजीफा देने की पहल बेहद शानदार। यूजीसी की कमेटी 2 महीने में तैयार करेगी इंटर्नशिप की गाइडलाइन। चंडीगढ़ रू श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने केंद्रीय बजट में कौशल को लेकर किए गए प्रावधानों को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार कौशल पर बजट में खास फोकस किया गया है। इससे अमृत काल में भारत अतिरिक्त कौशल की ओर अग्रसर होगा और शिक्षा के क्षेत्र में कौशल के नए आयाम सामने आएंगे। श्अमृत पीढ़ीश कुशल और विकसित भारत का आधार बनेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बार के बजट में कौशल को अपनी विशेष प्राथमिकताओं में रखा है। शिक्षा बजट में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जो कि अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। कोविड के दौरान शिक्षा पर जो प्रभाव पड़ा उसको दूर करने के लिए डिजिटल मोड में काम होगा। विद्यार्थियों को डिजिटल के साथ जोड़ कर तेजी से उनकी स्किलिंग की जाएगी। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि बजट में स्किल पर जितना फोकस किया गया है, यह अमृत काल में श्अमृत पीढ़ीश तैयार करने की दिशा में कारगर कदम साबित होगा। यही अतिरिक्त कौशल भारत को विकसित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। श्री राज नेहरू ने कहा कि इंडस्ट्री पार्टनरशिप और ऑन द जॉब ट्रेनिंग पर बजट में विशेष फोकस है। यह कौशल को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण आयाम हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय इस दिशा में सफल प्रयोग कर चुका है। ऑन द जॉब ट्रेनिंग और इंडस्ट्री पार्टनरशिप के दोहरे एकीकृत मॉडल ने रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं और इंडस्ट्री को कुशल पेशेवर उपलब्ध करवाए हैं। अब राष्ट्रीय स्तर पर यह अवधारणा क्रियान्वित होगी तो निश्चित ही इसके शानदार परिणाम आएंगे। श्री राज नेहरू ने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत नए दौर के कोर्स शुरू होंगे। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग, रोबोटिक्स, मैक्ट्रॉनिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और सॉफ्ट स्किल्स पर बजट में विशेष जिक्र है। यह सभी कोर्स भविष्य के लिए भारत और विश्व की पेशेवर जरूरतों को पूरा करेंगे। यदि ड्रोन की ही बात की जाए तो इस क्षेत्र में लाखों कुशल लोगों की जरूरत है। केंद्र सरकार ने बजट में जिन कोर्सों को रखा है, देश और दुनिया को अब उन जॉब रोल की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। दरअसल बजट के इन प्रावधानों से इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप कोर्स बनाए जा सकेंगे। अलग–अलग राज्यों में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर खोलने की घोषणा कौशल के विकास की दिशा में सरकार के विजन को स्पष्ट करती हैं। श्री राज नेहरू ने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से उत्कृष्टता आएगी। मांग पर आधारित औपचारिक कौशल को सक्षम करने, लघु एवं मंझले उद्योग सहित नियोक्ताओं को साथ जोड़ कर उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एकीकृत स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अप्रेंटसशिप की गाइडलाइन 2 महीने में बन कर तैयार हो जाएंगी। इसको बढ़ावा देने के लिए सरकार ने तीन साल में 47 लाख प्रशिक्षुओं को वजीफा देने का ऐलान कर बड़ा कदम उठाया है। इससे अप्रेंटसशिप के प्रति उत्साह और रुझान बढ़ेगा। श्देखो अपना देशश पहल के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए क्षेत्र विशिष्ट कौशल और उद्यमिता विकास पर सरकार विशेष तौर पर काम करेगी। एडवांस स्किल ट्रेनिंग और आधुनिक डिजिटल ट्रेनिंग से लेकर कई अन्य क्षेत्रों के लिए पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान का एलान किया गया है। यह अत्यंत सराहनीय पहल है। कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि केंद्र सरकार का साल 2023–24 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस विजन की स्पष्ट झलक है, जिसमें वह कौशल के जरिए भारत को एक विकसित राष्ट्र की राह पर ले जा रहे हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल देश का पहला राजकीय कौशल विश्वविद्यालय स्थापित कर इस दिशा में हरियाणा से महत्वपूर्ण पहल कर चुके हैं। कौशल शिक्षा के क्षेत्र में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय देश के अन्य संस्थानों के लिए मॉडल का काम कर रहा है।

मनरेगा मजदूरों ने आराजीलाईन ब्लाक का घेराव किया

मनरेगा बजट आवंटन में 30 फिसदी कटौती से आक्रोशित मनरेगा मजदूरो ने ब्लाक का घेराव कर पीएम को भेजा ज्ञापन मजदूरों के माँगों को लेकर आराजीलाईन ब्लाक पर मनरेगा मजदूर यूनियन ने धरना प्रदर्शन किया

वाराणसीरू राजातालाब, नरेगा संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर सात सूत्री माँगों को लेकर मनरेगा मजदूर यूनियन ने प्रदेश व केंद्र सरकार के मजदूर विरोधी फैसलों व मनरेगा मजदूरों की समस्याओं को लेकर मनरेगा दिवस पर गुरुवार को आराजीलाईन ब्लाक पर जोरदार प्रदर्शन किया।

धरना प्रदर्शन के माध्यम से मनरेगा मजदूरों ने अपनी मांगों को नारों, लोकगीतों के माध्यम से रखा।

इस दौरान मनरेगा मजदूर यूनियन के संयोजक सुरेश राठौर ने कहा कि मनरेगा मजदूरी में पर्याप्त वृद्धि सातवें वेतन आयोग के अनुसार निधारित न्यूनतम दैनिक मजदूरी 800 रूपये लागू की जाए। वहीं माननीय उच्चतम न्यायलय के फैसलें के अनुसार एक समान काम का एक समान वेतन का नियम मनरेगा मजदूरों के लिये लागू किया जाए। 15 दिन के अंदर भुगतान नहीं होने पर वेतन अधिनियम 1936 के तहत मुआवजा दिया जाए। काम कि माँग पूरा करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अतिरिक्त धनराशि 110588.49 करोड़ का तत्काल आवंटन हो। सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार गुप्ता ने कहा कि पिछले चार से लगातार मनरेगा के बजट की कटौती किया जा रहा है पिछले चार साल की तुलना में इस बार मनरेगा का सबसे कम बजट है हम लोगों को उम्मीद थी बेरोजगारी की चुनौती से निपटने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा लेकिन मोदी बजट कारपोरेट परस्त और किसान, मजदूर ग्रामीण तथा शहरी जनता विरोधी है।वहीं मनरेगा मजदूर यूनियन के संयोजिका रेनू पटेल ने कहा कि मनरेगा में 200 दिन का काम निर्धारित किया जाए।

वहीं इस धरना प्रदर्शन के पश्चात खंड विकास अधिकारी विजय जायसवाल के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित उपरोक्त मांगों को लेकर सात सूत्री एक ज्ञापन भी सौंपा गया। इस दौरान मनरेगा मजदूरों एवम् यूनियन के पदाधिकारियों ने प्रदेश व केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगाए कि मनरेगा मजदूरों को न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है।उन्हें 100 दिन का कार्य भी मुहैया नहीं करवाया जा रहा है और इसके साथ साथ समय से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस मौके पर सुरेश राठौर, राजकुमार गुप्ता, रेनू, नेहा, मुश्तफा, श्रद्धा, रीना, पूजा, आँचल, सीता, विमला, आशा, मंगरा, अमरावती, सुनीता, मीरा, प्रेमशीला, सरिता, संजू, कलावती, राजकुमारी, फुलकुमारी, सुनैना, अनिता, सहित सैकड़ो मजदूर मौजूद रहे।

श्री राम सत्संग समिति द्वारा दहिसर में संगीतमय श्री राम कथा का शुभारंभ

श्री राम सत्संग समिति द्वारा 10 वीं संगीतमय श्री राम कथा का भव्य और दिव्य आयोजन दहिसर में शुरू हो गया है। 10 फरवरी 2023 तक चलनेवाली श्रीराम कथा जीएसबी ग्राउंड, एन एल एल कॉम्प्लेक्स, दहिसर पूर्व में आयोजित की गई है। भव्य कलश यात्रा के साथ आयोजन की शुरुवात हुई। श्री श्री 1008 श्री काशीनाथ महाराज जी ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन की शुरुवात की। आचार्य श्री विरेन्द्र जी याग्निक ने आशीर्वचन दिया। प्रख्यात मानस मर्मज्ञ और प्रकांड विद्वान पंडित श्री सुधीर जी महाराज के श्रीमुख से सभी रामभक्त संगीतमय श्री राम कथा का श्रवण लाभ ले रहे हैं। इस श्री राम कथा सत्संग समिति के प्रमुख संरक्षक, मार्गदर्शक और प्रेरणाश्रोत उत्तर मुंबई के सांसद गोपाल शेट्टी हैं। आदित्य इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड आर्किटेक्चर के चेयरमैन हरिश्चंद्र मिश्रा इस पावन रामकथा के प्रमुख यजमान हैं। इनके साथ–साथ भवन निर्माता कनुभाई मेवाड़ा तथा कैलाश यादव का विशेष सहयोग उल्लेखनीय है। श्रीराम कथा के ब्राह्मण भोज सेवा की जिम्मेदारी वार्ड क्रमांक 31 के पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव तथा जयंती भाई वैष्णव के कंधों पर है। वहीं भंडारा सेवा राजीव मिश्रा, मंडप सेवा संतोष सिंह और यज्ञ सेवा उमाशंकर मिश्र की है।दहिसर में ऐतिहासिक कलश यात्रा एवम् प्रथम दिवस की कथा के अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी ब्रह्मदेव तिवारी, महाराष्ट्र भाजपा के कार्यकारिणी सदस्य श्रीकांत पाण्डेय, प्रसिद्ध व्यवसायी और समाजसेवी हरिशंकर तिवारी, करुणाशंकर ओझा, भारतीय सद्विचार मंच के संस्थापक डॉक्टर राधेश्याम तिवारी, पंडित कमलाशंकर मिश्रा, रामबली त्रिपाठी, ओमप्रकाश पांडे, घनश्याम तिवारी, राकेश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अमित मिश्रा , पोईसर जिमखाना के करुणाकर शेट्टी तथा हसमुख मकवाना सहित श्री राम सत्संग समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित हुए।

सभी दलों पर भारी है पड़ रही है सरिता पांडे आम आदमी पार्टी

मध्यप्रदेश रीवा!सिरमौर विधानसभा के अंतर्गत ग्राम दोहा जोकि बैकुंठपुर से लगा हुआ है सिरमौर विधानसभा में आता स्वर्गीय श्री सीता प्रसाद शर्मा जोकि सिरमौर विधानसभा अध्यक्ष रहे उसके बाद मंत्री खाद्य मंत्री रहे दर्जा प्राप्त हुआ उन्होंने सिरमौर क्षेत्र हो या सेमरिया क्षेत्र हो बहुत सारे ऐसे कार्य किए हैं जो असंभव थे है उन्हीं की बहू श्रीमती सरिता पांडे उन्हीं के पद चिन्हों पर चल रही है उनके बताए हुए रास्ते पर चल रही है जी हम बात कर रहे हैं सरिता पांडे जी की जो आम आदमी पार्टी की सदस्य सिरमौर विधानसभा है वह किसी परिचय की मोहताज नहीं है पूर्व खाद्य मंत्री रहे सिरमौर के प्रथम जनपद अध्यक्ष रहे स्वर्गीय श्री सीता प्रसाद शर्मा की बहू है सिरमौर विधानसभा में लगातार लोगों के बीच जन जन तक पहुंच रही हैं सुख दुख में हमेशा सम्मिलित रहती हैं अपार जन समर्थन एवं आशीर्वाद मिल रहा है विधानसभा में राजा और रंक की लड़ाई होगी स्वर्गीय श्री सीता प्रसाद शर्मा जी ने सिरमौर विधानसभा में लोगों के बीच चाहे वह पटेहरा पुल, नहर रोड लाइट तराई अंचल में उन्होंने ने कार्य किए हैं उनको बताने की जरूरत नहीं है समझने की जरूरत है सामने दिखाई देता है सरिता पांडे जी की बात की जाए तो उन्होंने सिरमौर विधानसभा में हर व्यक्ति हरगांव हर समाज हर पंचायत में जाकर लोगों की समस्या को जाना है ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जोकि चुनाव आने पर दरवाजे पर जाते हैं लेकिन सरिता पांडे जो कि बगैर चुनाव लड़े ही उन्होंने पूरे सिरमौर विधानसभा में घर–घर जाकर समस्याओं को जाना है हर दुख सुख में सम्मिलित हुए हैं ऐसे ही समाजसेवी की हमें जरूरत है और हम सबको ऐसे ही लोगों को सेवा करने का मौका देना चाहिए ऐसे ही लोग सेवा करते हैं जो एक बार आ जाते हैं वह सेवा नहीं कर पाते हैं जो आपके क्षेत्र में हमेशा बना रहे हमेशा दुख सुख में सम्मिलित रहे ऐसे समाजसेवी को हम सबको लाना चाहिए जबकि सिरमौर विधानसभा की कुछ गांवों के लोगों से बात की गई उन्होंने बताया कि सरिता पांडे जी एक कुशल नेतृत्व करने वाली महिला है आपकी वार सरिता पांडे जी को ही वोट दिया जाएगा पथरी ढोल म्हारी बेलवा राजगढ़ कई गांव से संपर्क किया गया सब पर भारी पड़ सकती है सरिता पांडे।

थाना मेजा पुलिस द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 13 नाजायज देशी बम बरामद

मेजा प्रयागराज।उलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अंतर्गत व पुलिस उपायुक्त यमुनानगर दीपक भूकर के निर्देश व सहायक पुलिस आयुक्त मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना मेजा ज्ञानेश्वर मिश्र के कुशल नेतृत्व में गठीत थाना मेजा पुलिस द्वारा आज दिनांक 03.02.2023 को मुखबिर की सूचना पर 02 अभियुक्तों 1.सैफ उर्फ पोले पुत्र रुकसार अहमद नि0 हल्दी खुर्दरामपुर थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज व 2.सारिक पुत्र स्व0 अतहर हुसैन नि0 कोल्हन टोला 54ए57 थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज को मदरा पीपा पुल थाना क्षेत्र मेजा से 13 नाजायज देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगीधगिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना मेजा में मु0अ0सं0 50ए23 धारा 4ए5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता–1. सैफ उर्फ पोले पुत्र रुकसार अहमद नि0 हल्दी खुर्दरामपुर थाना औद्योगिक क्षेत्र जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 23 वर्ष 2. सारिक पुत्र स्व0 अतहर हुसैन नि0 कोल्हन टोला 54ए57 थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 32 वर्षपंजीकृत अभियोग का विवरण–मु0अ0सं0 50ए23 धारा 4ए5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी का विवरण– 1. अभियुक्त सैफ उर्फ पोले के कब्जे से 07 नाजायज देशी बम2.अभियुक्त सारिक के कब्जे से 06 नाजायज देशी बमगिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 प्रदीप कुमार अस्थाना चौकी प्रभारी जेवनिया थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज 2. उ0नि0 दिनेश कुमार पाण्डेय, थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज 3. हे0का0 पुनीत शुक्ला, थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से प्रवीण कुमार द्विवेदी एडवोकेट व प्रभात मिश्र।

थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

जार्जटाउन प्रयागराज।पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आकाश कुलहरि व पुलिस उपायुक्त नगर संतोष कुमार मीणा के निर्देश व सहायक पुलिस आयुक्त शिवकुटी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष जार्जटाउन धीरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस टीम द्वारा थाना जार्जटाउन में पंजीकृत मु0अ0सं0– 204ए2021 धारा– 411ए413ए414ए419ए420ए467ए468ए471 भा0दं0वि0 के वांछित अभियुक्त सौरभ पाण्डेय उर्फ जार्डन पुत्र श्री ओम प्रकाश पाण्डेय निवासी ग्राम हथिगवां थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ को थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र सिविल लाइन से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः– सौरभ पाण्डेय उर्फ जार्डन पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ग्राम हथिगवां थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़, उम्र लगभग 22 वर्ष आपराधिक इतिहासः–1. मु0अ0सं0– 218ए2016 धारा– 147ए307ए336ए342 प्प्च थाना कर्नलगंज, कमिश्नरेट प्रयागराज2. मु0अ0सं0– 204ए2021 धारा– 411ए413ए414ए419ए420ए467ए468ए471 प्प्च थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज।3. मु0अ0सं0– 74ए2022 धारा– 147ए148ए149ए323ए384ए394ए452ए504ए506 प्प्च थाना कर्नलगंज, कमिश्नरेट प्रयागराज।4. मु0अ0सं0– 37ए2023 धारा– 352ए323ए504 प्प्च थाना सिविल लाइन, कमिश्नरेट प्रयागराज। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः– 1. थानाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. उ0नि0 अमित कुमार थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. का0 सुमित यादव थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज। 4. का0 संजय चौहान थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व विवेक वाजपेयी।

पूर्व सैनिक मिलन एवं मासिक बैठक 05 फरवरी 2023

वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति प्रयागराज के तत्वावधान में पूर्व सैनिक मिलन एवं मासिक बैठक 05 फरवरी 2023 रविवार प्रातः 11रू00 बजे से अपरान्ह 2रू00 बजे तक सत्संग भवन, लाल बहादुर शास्त्री, तपोवन पार्क, पोनप्पा रोड न्यू कैंट, प्रयागराज में होगी जिसमें आप सभी पूर्व सैनिक नवागत सहित,वीर नारियां एवं समिति के पदाधिकारी व सदस्यगण सादर आमंत्रित हैं कृपया समय से पहुंचकर बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याणार्थ विचार बिंदुओं पर चर्चा कर कार्य योजना बनाएं जिससे सभी का भला हो व पूर्व सैनिक संगठन को मजबूत बनाएं ,बैठक जलपान नाश्ता के साथ संपन्न होगी,आप सभी की उपस्थिति समय से प्रार्थनीय है।

डॉ. बाबूलाल तिवारी की जीत शिक्षको व शिक्षा जगत के विकास और निर्णयो की जीत-विभवनाथ भारती

3 फरवरी 2023 प्रयागराज। इलाहाबाद–झांसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य हेतु भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. बाबूलाल तिवारी के 3 फरवरी 2023 शुक्रवार सुबह रिटर्निंग आफीसर झासी द्वारा निर्वाचित घोषित किए जाने से यमुनापार के भाजपाईयो सहित शिक्षको मे डॉ. बाबूलाल तिवारी के निर्वाचित होने से जश्न का माहौल है।जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने जीत की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ. बाबूलाल तिवारी की जीत शिक्षको व शिक्षा जगत के विकास और निर्णयो से कीर्तिमान स्थापित करेगा। यमुनापार जिला शिक्षक चुनाव संयोजक जिला महामंत्री विक्रमादित्य मौर्य,जिला सह संयोजक जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी तिवारी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी,जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी,जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा सुभाष सिंह पटेल,जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा सुधीर साहू बऊवा,आईटी जिला संयोजक शतीश विश्वकर्मा आदि ने जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए एक दूसरे को लड्डू खिलाकर पटाखें फोड़ते हुए जीत का जश्न मनाते हुए मतदाताओं एवं कार्यकर्ताओ का आभार जताया है। वही डॉ. बाबूलाल तिवारी गुरुवार को मतगणना चालू होते ही बढ़त बनाए रहें और अंत मे निर्वाचित घोषित किए गए।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पहले कोई इन्वेस्टर समिट की तरह रोजगार देने में असफल रहेगी

उत्तर प्रदेश में 24 करोड़ की आबादी है और चुनाव के लिए 15 करोड़ लोगों को 5 किलो राशन का वादा किया जा रहा है। जिस प्रदेश में 60 प्रतिशत की आबादी 5 किलो राशन पर निर्भर है उस प्रदेश की सरकार रोजगार पर जरा भी चिंतित नहीं, यह आश्चर्यचकित करने वाला है। राशन पर खर्च किया जाने वाला पैसा रोजगार पर खर्च किया जाना चाहिए जिससे कि प्रदेश वासी आत्मसम्मान भरा जीविकोपार्जन कर सकें। मगर योगी सरकार प्रदेशवासियों को रोजगार के माध्यम से आत्मसम्मान भरा जीवन देने के बजाय 5 किलो राशन देकर भिखारी जैसा जीवन देना ज्यादा उचित समझा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा बजट की 30 प्रतिशत की कटौती की है, जिसका सीधा असर उत्तर प्रदेश पर होगा। मनरेगा गरीबों को रोजगार देता है, मगर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस कटौती का कोई विरोध नहीं किया। कोरोना में प्रवासी मजदूरों की गांव वापसी के बाद उत्तर प्रदेश के गांवों पर बेरोजगारी का बोझ बढ़ा है, जिसे मनरेगा ही दूर कर सकता है। मनरेगा में बजट की कटौती डबल इंजन की सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है और यह बताता है कि डबल इंजन की सरकार गरीब विरोधी है।

प्रवक्ता ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से रोजगार आने की कोई संभावना नहीं दिखती है। क्योंकि इससे पहले भी जितने समिट हुए वह रोजगार देने में असफल रहे। रोजगार के लिए उत्तर प्रदेश के युवाओं का दूसरे प्रदेशों को पलायन जारी है। इन्वेस्टर्स समिट कराए जाने के नाम पर राजधानी में चीनी झालर लगाई जा रही है। दीवारों पर तस्वीरें बनाई जा रही है। गमले लगाए जा रहे हैं। इन्वेस्टर समिट कराने के लिए खूब पैसे की बर्बादी हो रही है पर सड़क चौड़ीकरण के लिए पटरी के किनारे बैठे वैध दुकानदारों को दुकानें बंद करने का अवैध आदेश दिया गया है। रोज कमा कर खाने वाले यह दुकानदार सरकारी आदेश से चिंतित है। रोजगार को लेकर सरकार कितनी गंभीर है इस आदेश से साफ जाहिर होता है। जिस इन्वेस्टर्स समिट में रोजगार देने का वादा किया जा रहा है, उस इन्वेस्टर समिट को कराने के लिए तमाम लोगों का रोजगार छीना जा रहा है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

स्वास्थ्य सम्बंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरते जननी सुरक्षा योजना के तहत प्रसूताओं को शत–प्रतिशत इंसेंटिव की धनराशि का भुगतान कराये जाने के दिए निर्देश मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जेएसवाई, प्रथम संदर्भन ईकाई, जेएसवाई लाभार्थियों के भुगतान की प्रगति, मंत्रा पोर्टल पर प्रसव की इंट्री, ई–कवच एप, प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण, आरसीएच पोर्टल पर पंजीकरण एवं अपडेशन के कार्यो की समीक्षा की। जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने प्रसूताओं को मिलने वाले इंसेंटिव का शत–प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने आशाओं का भी भुगतान शत–प्रतिशत सुनिश्चित किए जाने हेतु कहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने अभियान चलाकर बीसीजी, मिजल्स रुबेला टीकाकरण कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को ड्यू लिस्ट अपडेट रखने एवं ड्यू लिस्ट के अनुसार कार्यवाई किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत कैम्प चलाकर नसबंदी कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मंत्रा एप, ई–कवच, आरसीएच पोर्टलों पर फीडिंग का कार्य शत–प्रतिशत रूप से कराये जाने हेतु निर्देशित किया है। मुख्य विकास अधिकारी ने वेल्नेससेंटर के निर्माण कार्य में तेजी लाये जाने व प्रभारी चिकित्साधिकारियों को कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा कराये जा रहे कार्यों की लगातार मानीटरिंग करते रहने का निर्देश दिया है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी चिकित्साधिकारियों को चिकित्सालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण रूप से सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने बिजली एवं बिल्डिंग के कार्यों की जांच करते हुए जो भी खराब पाये जाये, उनको तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने चिकित्सकीय उपकरणों को चेक करते हुए खराब उपकरणों को ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने अस्पतालों में साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के साथ–साथ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ को मरीजों से अच्छा व्यवहार किए जाने के लिए कहा है। संस्थागत प्रसव की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने शत–प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रसव केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने एएनएम, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नियमित बैठक करने तथा प्रभारी चिकित्साधिकारियों को नियमित रूप से भ्रमण कर इसका अनुश्रवण करते रहने के लिए निर्देशित किया है। मुख्य विकास अधिकारी ने क्षय रोगियों को मिलने वाली अनुमन्य धनराशि को तीन दिन के अंदर भुगतान कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत स्वास्थ्य टीम को स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों का शत–प्रतिशत स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने का निर्देश दिया है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। स्वास्थ्य से सम्बंधित जो योजनाएं संचालित है, उनका अच्छी तरह से क्रियान्वयन करते हुए लोगो को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आशु पाण्डेय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सहित सभी प्रभारी चिकित्साधिकारीगण उपस्थित रहे।जिलासूचनाधिकारी कार्यालय प्रयागराज द्वारा प्राप्त समाचार।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व अरुण कुमार द्विवेदी।

भाजपाइयों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का किया स्वागत

3 फरवरी प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रयागराज आगमन पर भाजपाइयों ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय महामंत्री संतोष सिंह पटेल, भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी जिला अध्यक्ष जमुना पार विभव नाथ भारती, राजेश केसरवानी ,वरुण केसरवानी, गिरिजेश मिश्रा,सुभाष वैश्य, आयुष अग्रहरि आदि दर्जनों कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया

माघ मेला (प्रयागराज) में बढ़े पर्यटन को देखते हुए एनडीआरएफ ने नाव संचालकों एवं श्रद्धालुओं को किया जागरूक

प्रयागराज में श्रद्धालुओं की संख्या में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है और हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक काशी भ्रमण पर आ रहे हैं। श्रद्धालु संगम नदी के विभिन्न घाटों पर स्नान और पूजा अर्चना के लिए जाते है और साथ–साथ पर्यटक बोटिंग भी करते है। इस दौरान कभी–कभी डूबने की घटनाएँ भी होती है। हालांकि घाटों पर उपलब्ध लोगों, नाविकों व मल्लाहों द्वारा डूबने वाले श्रद्धालुओं के बहुमूल्य जीवन को बचाने की कोशिश भी की जाती है, लेकिन प्राथमिक उपचार व घरेलू संसाधनों से उपचार देने की प्रक्रिया का सही ज्ञान न होने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।इसी को ध्यान में रखते हुए कमान्डेंट श्री मनोज कुमार शर्मा, 11 एनडीआरएफ वाराणसी के कुशल दिशा–निर्देशन में विशेष सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम संगम के सभी प्रमुख घाटों पर लगातार चलाई जा रही है। जिसमें घाटों पर मौजूद नाव संचालकों, मल्लाहों, पुलिस कर्मियों एवं स्थानीय लोगों को बचाव की तकनीकें सिखाई जा रही हैं। इसी कड़ी में आज एनडीआरएफ की प्रशिक्षित टीम द्वारा अरेल घाट पर विशेष सामुदायिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में नाविकों, नाव संचालकों, मल्लाहों तथा स्थानीय लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।एनडीआरएफ के प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डूबने से बहुमूल्य जीवन बचाने के कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया। जिसमें नाविकों को डूबे हुए पीड़ित से पानी निकालने की तकनीक, सीपीआर देना, घरेलू संसाधनों से तैरने वाले उपकरण बनाने, गैर तैराक और तैराक को उपलब्ध संसाधनों से बचाने के तौर तरीके, लाइफ बॉय, लाइफ जैकेट और रस्सी से बचाव इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। एनडीआरएफ टीम के कमांडर इंस्पेक्टर इन्द्रदेव कुमार ने बताया कि हर एक व्यक्ति का जीवन बहुमूल्य है और इस प्रकार के सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम से लाभ लेकर जरूरत पड़ने पर स्थानीय लोगों व नाविकों को श्रद्धालुओं के बहुमूल्य जीवन को बचाने में मदद मिलेगी।

रविदास की बेगमपुरा वर्तमान समय की जरूरत

प्रयागराज 03 जनवरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ऑल इंडिया स्टूडेंड्स असोसिएशन (आइसा)की तरफ से आयोजित संवाद श्रृंखला में ष्रविदास की बेगमपुरा एक समतामूलक समाज की अवधारणाष् पर अर्थशास्त्र विभाग के सामने जेके मेहता पार्क में चर्चा परिचर्चा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शोध छात्र मनीष कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग) ने विस्तारपूर्वक अपनी बात रखी। अपनी बात रखते हुए मनीष कुमार ने कहा कि बेगमपुरा की अवधारणा को अकादमिक बहसों से बाहर रखने की कोशिश की गई है जबकि यह राम राज्य की अवधारणा के बरक्स मानवतापरस्त समतामूलक समाज बनाने की समाजवादी आदर्श की अवधारणा है, बेगमपुरा का अर्थ ही होता है दुखों के बिना एक ऐसा समाज जहां किसी भी आधार पर भेदभाव शोषण ना होता हो तथा जहां निजी संपत्ति भी नहीं पाई जाती हो, जिस पर बात करना वर्तमान समय के लिहाज से बेहद जरूरी और अकादमिक जिम्मेदारी हो जाती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के साथ शोध छात्र अमित कुमार ने अपनी बात रखते हुए कहा कि पश्चिम की ज्ञान मीमांसा की तरह पूर्व की ज्ञान मीमांसा को शोषणकारी ताकतों ने विकसित नहीं होने दिया और जिसके खिलाफ बुद्ध से लेकर रैदास और फूले,अंबेडकर,पेरियार की पूरी एक विरासत रही है जो समतामूलक समाज के के लिए संघर्षरत रही।सुधीर ने अपनी बात रखते हुए कहा की रामराज्य की चर्चा तो की जाती हैं पर बेगमपुरा की बात नही की जाती जो शर्मनाक हैं। कार्यक्रम में बात रखते हुए सुनील मौर्या ने कहा कि वर्तमान समय की जरूरत सभी प्रकार की जनवादी प्रगतिशील ताकतों को एक साथ आकर वर्तमान दौर के ब्रह्मणवादी फासीवादी ताकत से लड़ना होगा तभी बेगमपुरा का सपना सच हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन आदित्य राव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के छात्रों ने अपनी बात रखी और प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के समापन होने तक नितेश, भानू, सुधीर, हरिश्चंद, प्रशांत कुमार, नीरज कुमार समेत छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

'शुआट्स विश्वविद्यालय एग्रीकल्चर नैनी में पूर्व नियोजित षडयंत्र के तहत अपात्र अभ्यर्थियों से अनुचित लाभ प्राप्त कर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया के विपरीत अवैध रूप से प्रोफेसर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्तियां करने व राजकीय धन का आपराधिक दुर्विनियोग करने वाले 02 अभियुक्त थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार

नैनी प्रयागराज।पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आकाश कुलहरि व पुलिस उपायुक्त दीपक भूकर के निर्देश के क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त करछना कद पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थाना नैनी बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस टीम द्वारा थाना नैनी में पंजीकृत मु0अ0सं0 मु0अ0सं0 63ए2023 धारा 419ए420ए467ए468ए471ए120बी भा.द.सं. व 7ए13(1)बी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के नामजद अभियुक्तों 1. डा0 सर्वजीत हर्बट पुत्र स्व0 श्री बी0एम0एफ0 हर्बट, प्रतिकूलपति सैम हिग्गिनबाटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलाजी एण्ड साइंसेज (शुआट्स) मुख्य कैम्पस, नैनी प्रयागराज निवासी 29, शुआट्स कैम्पस थाना नैनी जनपद प्रयागराज, स्थायी पता – फ्रेन्डस कालोनी थाना नैनी प्रयागराज, मूल पता लता कुंज बसारतपुर थाना शाहपुर जिला गोरखपुर व 2. अशोक संदीप सिंह पुत्र स्व0 आस्टीन सिंह वर्तमान असिस्टेन्ट फाइनेंस कन्ट्रोलर पूर्व आफिस सुपरिटेन्डेन्ट शुआट्स निवासी 92ठ लोको कालोनी थाना सिविल लाइन जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की गयी।घटना का संक्षिप्त विवरण–श्री दिवाकर नाथ त्रिपाठी, निवासी 69ए30 कर्बला इलाहाबाद की शिकायती प्रार्थना पत्र पर जाँचकर्ता श्री नवेन्दु कुमार पुलिस उपाधीक्षक, एस0टी0एफ0 उ0प्र0 फील्ड इकाई, प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय पर शुआट्स विश्वविद्यालय एग्रीकल्चर नैनी में वर्ष 1984 से 2017 के मध्य कुल 69 प्रोफेसर असिस्टेन्ट प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति निर्धारित भर्ती प्रक्रिया के विपरीत बिना निर्धारित अनिवार्य योग्यता का पालन व प्रख्यात दो समाचार पत्रों में न करने व विज्ञापन की अवधि का निश्चित मापदण्ड निर्धारित न करने व साक्षात्कार हेतु बुलावा पत्र एवं चयन के पश्चात नियुक्ति पत्र प्रसारित न करने व बिना आवेदन पत्र के चयन को अन्तिम रूप दिये जाने एवं गवर्नमेन्ट पे रोल पर रिक्त पदों को भरने के निमित्त सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन न करने ,पदों के विज्ञापन के सापेक्ष डायरेक्ट रिक्रूटमेन्ट न कर प्रतिस्थापन के आधार पर की गयी सभी नियुक्तियां निर्धारित मानको के विपरीत होने के कारण अनियमित व अविधिक है, जिसके द्वारा अनुदान के रूप में प्राप्त राजकीय धन का आपराधिक दुर्विनियोग किया जाना व उपरोक्त नियुक्तियों में कूटरचित अभिलेखों का उपयोग करते हुए भ्रष्ट आचरण करने के साथ–साथ नियुक्तियों में राजकीय धन का दुर्विनियोग करके वेतन व भत्तों का भुगतान किये जाने के सम्बन्ध में दिनांक 02.03.2022 को अभियुक्तगण 1.कुलाधिपति जे0ए0 ऑलिवर एवं इनके सहयोगी 2.कुलपति डा0 राजेन्द्र बिहारी लाल 3. तत्कालीन रजिस्ट्रार अजय कुमार लारेन्स 4. प्रतिकुलपति सुनी बी0लाल 5. तत्कालीन निदेशक एच0आर0ए0एम0 विनोद बिहारी लाल 6 रजिस्ट्रार रॉबिन एल0 प्रसाद 7.तत्कालीन वित निदेशक स्टीफेन दास 8. डीन डा0 मोहम्मद इम्तियाज 9.प्रतिकुलपति डॉ0 सर्वजीत हर्बट 10 तत्कालीन निदेश एच0आर0एम0 रंजन ए0 जॉन 11. कार्यालय अधीक्षक अशोक सिंह 12. अज्ञात प्रशासनिक अधिकारीगण व उनके साथ अन्य सहयोगी व्यक्ति के विरुद्ध थाना नैनी में मु0अ0सं0 63ए2023 धारा 419ए420ए467ए468ए471ए120बी भा.द.सं. व 7ए13(1)बी भ्रष्टाचार निवारण अधि0 व मु0अ0सं0 64ए2023 धारा 409ए419ए420ए467ए468ए471ए120बी भा.द.सं. पंजीकृत कराया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पताः 1. डा0 सर्वजीत हर्बट पुत्र स्व0 श्री बी0एम0एफ0 हर्बट, प्रतिकूलपति सैम हिग्गिनबाटम यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलाजी एण्ड साइंसेज (शुआट्स) मुख्य कैम्पस, नैनी प्रयागराज निवासी 29, शुआट्स कैम्पस थाना नैनी प्रयागराज व स्थायी पता – फ्रेन्डस कालोनी थाना नैनी जनपद प्रयागराज, मूल पता लता कुंज बसारतपुर थाना शाहपुर जिला गोरखपुर, उम्र करीब 61 वर्ष।2. अशोक संदीप सिंह पुत्र स्व0 आस्टीन सिंह, वर्तमान असिस्टेन्ट फाइनेंस कन्ट्रोलर पूर्व आफिस सुपरिटेन्डेन्ट शुआट्स निवासी 92ठ लोको कालोनी थाना सिविल लाइन जनपद प्रयागराजपंजीकृत अभियोग–1.मु0अ0सं0 63ए2023 धारा 419ए420ए467ए468ए471ए120बी भा.द.सं. व 7ए13(1)बी भ्रष्टाचार निवारण अधि0 थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।2. मु0अ0सं0 64ए2023 धारा 409ए419ए420ए467ए468ए471ए120बी भा.द.सं. थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–1. प्र0नि0 बृजेश सिंह थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।2. व0उ0नि0 अजय कुमार सिंह थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।3. उ0नि0 विपिन कुमार थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।4. का0 पंकज निषाद थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।5. म0का0 प्रज्ञा शुक्ला थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व अरुण कुमार द्विवेदी।

सम्पादकीय

सप्पा काका

बामन सेमलिया . गाँव में अध्यापक था

जब मेरी वर्ष आज से पच्चीस साल पहले तब मेरा परिचय एक अद्भुत इंसान से हुआ जो मेरे जीवन का आदर्श बन गया कमाल के थे सप्पा काका थे इसलिए लिख रहा हूँ अभी

साल भर पहले मेरे उस गाँव से अध्यापक की नौकरी के सेवा निवृति

के बाद एक साल और वो रहे थे

खैर उस अद्भुत इंसान को उसके बेटे ने

निकाल दिया घर से वजह बेटे बड़ा हो गया पैसे से खैर सप्पा काका किसी अनाथलय नहीं गये. उन्होंने अपने खेत के टुकड़े मे लकड़ियों से झोपड़ी बनाई और अपनी बीवी को लेकर वहाँ रहने लगे चेहरे पर कोई शिकन नहीं कोई दुःख सदा ही की तरह सुबह से उठ खेत में दोनों लग जाते चहरे पर वहीं सदा सी मुस्कान और खुशी जो दिन भर के श्रम की होती थी कोई चाह नहीं कोई सपना नहीं जैसे उन्हें पता है उनका जन्म खेत में अनाज पैदा करना और सस्ते दामों में शहर वासियों को खाने को देना है शायद इस लिए उनका जन्म हुआ ऐसा उन्होंने स्वीकार कर लिया था शायद यहीं वजह थी उनके चहरे पर सदा ही खुशी का. मैने देखा उन्हें जब मै गया पहली बार उस गांव में तब भी वैसे ही थे जब मैने पच्चीस साल बाद वहाँ से विदा ली जैसे उम्र रुक गई हो वहीं कमाल के

ऊर्जा और ताकत और सहजता सरलता अभी तो लाखों की जमीन उनके नाम थी पर कोई मतलब नहीं

अनाज पैदा करना कड़ी मेहनत मै हर मौसम से लड़ते हुए और उसे बांट देना शहर में बहुत कम दामों पर सचमुच आज मै भी यदि सहज सरल हुँ लाखों की संपति बड़ी गाड़ी तीन मंजिल मकान सब कुछ सुविधा भर पूर फिर भी सदा खाना दाल और रोटी और सालों से कोई कपड़ा नहीं खरीदना कोई भी शोक नहीं आदि आदि जो कुछ अपने मै अच्छा है सब उस महान

संत सप्पा काका की देन हैं जिसे कोई संत नहीं मानता सच तो यह सप्पा काका जैसे मेरे गाँव में कई संत जीवन जी रहे असली संत निर्विकार कोई चाह

सपना नहीं जो एक बहुत आदर्श है सभी के लिए काश ये दुनिया नकली संतों के पीछे भागने की बजाय इन असली संतो से कुछ सिखाती अथक परिश्रम ही तो शायद कभी कोई बड़ी बीमारी नहीं होती न अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ते आज मै ६५ साल में भी बिना कोई दवाई के पुरा जीवन निकला तो वो आदर्श सप्पा काका जो सिखा गये दूसरे के लिए जीना ही जिन्दगी है और फिर ईश्वर ने हाथ और पेर सही रखे तो क्यो किसी का मोहताज होना क्यौं अनाथालय का सहारा लेना फिर कोई केसा भी हो हम

तो सही रहे जब ईश्वर ने हमें सही रखा है तो बहुत बहुत सी बातें है जो वो अनपढ़ सप्पा काका सिखा गया मुझे

यहीं वहज है में आज भी सब कुछ भूल निर्विकार लगा हूँ मै क्या कर सकता हूँ अपने घर परिवार और समाज देश के लिए बस यहीं सुखद सोच जिन्दा रखे हैं वह भी पूरे सुख चौन और सुकूंन से प्रणाम उस सप्पा काका को और सप्पा काका जैसे तमाम संतों को प्रणाम करता हूँ

लाश का पोस्टमार्टम!

झाड़ियों में अज्ञात व्यक्ति का क्षत–विक्षत शव पड़ा होने की खबर पूरे गांव में जंगल की आग की तरह फैल गई। इससे पहले कि पुलिस वहां पहुंच पाती, गांव के छूट भैया नेता दल बल के साथ पहुंच गए। किसी की जुबान पर कोई लगाम नहीं ।जितने मुंह उतनी बातें। तमाम कयास लगाए जाने लगे। सब एक से एक बढ़कर विशेषज्ञ। दुर्गंध मारते शव का दूर से पोस्टमार्टम करने लगे।

मोहन (ग्रामीण) ष अरे बाप रे, राक्षसों ने काट–पीटकर झाड़ियों में फेंक दिया।ष

सोनू (ग्रामीण) हां भाई मोहन,करमजलों ने मुंह को भी कुचल डाला। वैसे आदमी जाना पहचाना लग रहा है।ष

मोहन ष्हां सोनू, अरे यह तो हमारा आदिवासी भाई घासीराम नजर आ रहा है। वैसे ही कपड़े। वहीं टूटी फूटी चप्पल। बेचारा माथे पर तिलक लगाता था। फिर भी मार डाला।ष

सोनू ष्हां भाई, खेतों में मजदूरी करके परिवार का पेट पाल रहा था। कुछ दिन पहले दबंग रामसिंह से झगड़ा हुआ था।ष

देखते ही देखते लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई ।दूरदराज के लोगों को भी खबर करके बुला लिया। बदला लेने की बातें होने लगी। मरने मारने के नारे लगने लगे।

एक नेता ष हमारे दलित भाई घासीराम की निर्मम हत्या कर दी ।गांव के ही दबंग से कुछ दिन पहले झगड़ा हुआ था। अकेला देखकर उसे निपटा दिया।ष

सोनू ष्आप हमारे नेता हैं। खून का बदला खून से लेना होगा ।आज घासीराम को मारा है। कल हमारा नंबर लग जाएगा।नेता ष्इससे पहले कि पुलिस यहां आ जाए। हमें राम सिंह के घर पर धावा बोलना होगा।ष

नेता के भड़काऊ भाषण सुनकर भीड़ का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उत्तेजित भीड़ लाठी–डंडों से लैस होकर राम सिंह की तलाश में उसके खेत की ओर जाने लगी ।तभी पुलिस की वाहन सायरन बजाती हुई आ गई। उत्तेजित भीड़, पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगी। पुलिस वालों के साथ धक्का–मुक्की होने लगी। पुलिस की जीप जला देने के नारा लगने लगे। तभी पुलिस की जीप से घासीराम बाहर निकला। भीड़ घासीराम को देखकर आश्चर्यचकित रह गई।

घासीराम (भीड़ से)ष भाइयों गुस्सा मत करो। मैं भला चंगा हूं। मुझे कुछ नहीं हुआ। मैं पुलिस थाने गया था।ष

नेता ष्तो फिर यह सड़ी हुई लाश किसकी है। मुझे तो किसी गरीब की नजर आ रही।ष

पुलिस ने तुरत फुरत लाश को अपने कब्जे में ले लिया। लाश की तलाशी ली गई। जेब में से आधार कार्ड और राशन कार्ड मिला।

पुलिस इंस्पेक्टर ने भीड़ से कहा ष यह अज्ञात लाश नदी किनारे मंदिर के पुजारी की है। नाम महंत उमा शंकर दास।ष

क्रुद्ध भीड़ को सांप सुंघ गया। लाठी–डंडों से हुड़दंग करते लोग एक दूसरे का मुंह देखने लगे। कथित नेताजी अचानक भूमिगत हो गए। धीरे–धीरे भीड़ घटने लगी। अकेला घासीराम दुर्गंध मारती लाश के पास रह गया।

भाष विज्ञान का भारतीय इतिहास

भारतीय भाषा विज्ञान ही आधुनिक युग की देन है। आज जिस तरह यह स्वतन्त्र विषय के रुप में प्रचलित है वैसे पहले प्रचलित नहीं था। इसके पूर्व भाषा विज्ञान की अन्य पद्धतियाँ प्रचलित थी। किन्तु जैसे – जैसे भारत का अंग्रेजों से सम्पर्क बढता गया वैसे – वैसे अन्य विधाओं की भाँति इस विधा का परिष्कार होता गया।

(क) प्राचीन युग

पाणिनि से पूर्व अध्ययन रू

भारत में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन का इतिहास वैदिक काल से संबंध है। वैदिककाल में दों के सम्यक अध्ययन की जो प्रणाली विकसित थी वह श पाठ पद्धति श के नाम से प्रचलित थी जो कि पांच प्रकार की होती थी मंत्रपाठ, पदपाठ, जटापाठ, क्रमपाठ और घनपाठ। पाठ की ये पाँच पद्धतियाँ पाँच बातों की ओर संकेत करती हैं। इनमें समझाने की पद्धति तथा संधियों के आधार पर थी। उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित तीन स्वरों के भी भेद की व्यवस्था थी। इसमें न केवल भाषा विज्ञान का पद्विज्ञान एवं ध्वनि विज्ञान संबंधी कार्य उस समय हुआ था अपितु शबद विज्ञान की दिशा में भी पर्याप्त कार्य संभव हो गया था।

इसके बाद वेदों का सम्यक अनुशीलन करने के लिए त्रषियों – मुनियों ने छःवेदाँगों की व्यवस्था की और शिक्षा, कल्य, व्याकरण, छंद और ज्योतिष के नाम से उनका नामकरण किया। शिक्षा नामक वेदांत के अन्तर्गत भाषा विज्ञान संबंधी कार्य हुआ, क्योंकि स्वर और व्यंजन के उच्चरण भेद को समझाने वाली पद्धति को शिक्षा कहते हैं। इस प्रकार शिक्षा के अंतर्गत स्वर और व्यंजन ध्वनियों का स्थान, करण और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण किया गया, शब्दों के ठीक – ठीक उच्चारण की पद्धति सिखायी गयी और वेदमन्त्रों में आयी हुई ध्वनियों के पृथक और सहित रुप में शुद्ध उच्चारण करने के लिए निर्देश दिए गए।

महत्व रू–

भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से प्रतिशाख्यों का महत्व संक्षेप में प्रस्तुत है।

1) प्रातिशाख्यों में संहिता पाठ तथा पदपाठ आदि के द्वारा संहिताओं के मूल उच्चारण को सुरक्षित रखा गया है तथा इस प्रयत्न में स्वर ,मात्रा आदि के उच्चारण का वैज्ञानिक विवेचन हुआ है।

2) प्रातिशाख्यों में ही सर्वप्रथम संस्कृत ध्वनियों का पूर्णत्या वैज्ञानिक वर्गीकरण हुआ जो आज तक प्रचलित है।

3) प्रातिशाख्यों ने श निरुक्त श तथा व्याकरण के लिए दृढ आधारभूमि बनायी जिस पर आगे चलकर यास्क तथा पाणिनि आदि ने अपनी रचनाएँ की।

श निरुक्त श का शाब्दिक अर्थ है व्युत्पत्ति या निर्वचन। इसमें शब्दों के अर्थतत्व एवं संबधतत्व पर विचार करते हुए यह निश्चय किया जाता है कि शब्द – विशेष का एक विशिष्ट अर्थ क्यों है? मनुष्य जब किसी विशेष भाव को किसी विशेष शब्द द्वारा व्यक्त करता है, तो उसके मूल में कोई – न – कोई कारण रहता है। इस कारण की खोज ही शब्द की शनियुक्ति श या निर्वचन कहलाता है तथा इससे सम्बन्धित शास्त्र को श निरुक्त श कहा जाता है।

निरुक्त में ध्वनि पद और अर्थ तीनों का एक व्यवसित ढंग से विवेचन हुआ है और वर्णगम, वर्णाविपर्यय, वर्ण विकार, वर्णलोप आदि को भी समयक रीति से समझाया गया है। इस प्रकार निरुक्त भाषा विज्ञान का ही प्राचिन रुप है, जिसका आविर्भाव हमारे देश में वैदिक काल में ही हो गया था।

पाणिनि कालीन रू–

यास्क के बाद लगभग 40 वैयाकरणों का प्रादुर्भाव हुआ था जिनमें भी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण स्थान, पाणिनि का माना जाता है। अपिशलि, काश्यप, गार्ग्य ,इन्द्र, का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान है। पाणिनि द्वारा अपनाया गया ध्वनि – भेद एवं ध्वनि – परिवर्तन संबंधी विवेचन ध्वनि विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार पाणिनि ने ध्वनि, पद, वाक्य, शब्द, अर्थ, आघात आदि भाषा के सम्पूर्ण अंगों का सम्यक विवेचन करके अपनी अष्टाध्यायी द्वारा संस्कृत भाषा का अत्यंत सूक्ष्म और वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किया था। इस प्रकार पाश्चात्य भाषा वैज्ञानिकों द्वारा जो कार्य उन्नीसवीं सदीं में किया गया, उसे पाणिनि 7 – 8 वीं शदी के मध्य कर गए ।पाणिनि की इस प्रतिभा की आधुनिक भाषा वैज्ञानिक चकति हैं।

पाणिनि के उपरान्त दूसरे महत्वपूर्ण वैयाकरणिक आते हैं

– महर्षि कात्यायन। इन्हें पाणिनि के 150 – 200 वर्ष बाद विद्यामान माना जाता है। कात्यायन ने पाणिनि के सूत्रों का संशोधन एवं परिवद्र्धन किया, संशोधन उन्होंने केवल 1500 सूत्रों में प्रस्तुत किया। कात्यायन का व्याकरण शास्त्र श वार्तिक श के नाम से प्रसिद्ध है। वस्तुतः कात्यायन पाणिनि के ही अनुयायी हैं तथा उनके कार्य को आगे बढाने वाले हैं। उन्होंने अपनी वार्तिकों द्वारा पाणिनि के अष्टाध्यायी ग्रंथ को ही पूर्णता प्रदान की। यही कारण है कि मैक्समूलर ने कात्यायन को पाणिनि का सम्पादक माना है। कात्यायन के बाद इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैयाकरणिक श पतंजलि श का नाम आता है, जिनका ग्रंथ महाभाष्य के नाम से प्रसिद्ध है। इनका काल कात यायन के 200 वर्ष बाद माना जाता है। ऐतिहासिक दृष्टि से ये सम्राट पुषयमित्र (ई. पे. द्वितीय शताब्दी) के समकालीन थे। पतंजलि का यह श महाभाव्य श आठ अध्यायों एवं चार पादों में विभकत है।

पतंजलि के महाभाष्य का आधार श अष्टाध्यायी श के साथ – साथ वार्तिक भी है। महाभाष्य का तीन चौथायी श्वार्तिक श तथा एक चौथाई महाभाष्य पर आधारित है।

पतंजलि के अनुसार विभिन्न प्रदेशों में एक ही अर्थ में अनेक शब्द प्रयुक्त हो रहे थे, जैसे जाना क्रिया के लिए सौराष्ट्र प्रदेश में हम्म, प्राच्य – मध्य प्रदेश में श्रह श तथा आर्य प्रदेश में गम् धातु का व्याहार हो रहा था। कुछ प्राचीन शब्दों का स्थान नवीन शब्दों ने ले लिया था। जैसे ऊष =उचित, तेर = तीर्ण, गो = गावी आदि।

इस प्रकार पाणिनि, कात्यायन एवं पतंजलि की मुनित्रयी ने संस्कृत के भाषा संबंधी विवेचन को उस परिपक्वता तक पहँचा दिया जिसकी प्रशंसा भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वान मुक्तत कण्ठ से करते हैं।

आधुनिक युग रू–

भारतीय आधुनिक भाषाविज्ञान के विकास में पाश्चात्य साहित्य का प्रभाव पडा है। पाश्चात्य विद्वानों ने जैसे साहित्य की अन्य विधाओं के विकास में प्रचुर सामग्री दी वैसे ही भाषा विज्ञान को भी महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध कराई।

डॉ बाबूराम सक्सेना के द्कखिनी हिन्दी, डॉ सुनीति कुमार चटर्जी के भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी ,डॉ उदय नारायण तिवारी के, भोजपुरी भाषा और साहित्य और हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, एवं भाषा शास्त्र की रुपरेखा, डॉ विश्वनाथ प्रसाद के भोजपुरी का ध्वनि विज्ञान और ध्वनि प्रक्रिया, डॉ आनन्द स्वरुप पाठक के हिन्दी – लिंग निर्णय, डॉ ब्रजवासी लाल श्री वास्तव के श हिन्दी वाक्य रचना श डॉ भोलानाथ तिवारी के श हिन्दी भाषा श डॉ महेन्द्रनाथ दुबे के, आजमगढ जिले की बोली का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, आदि ग्रंथों में भाषाविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन प्रस्तुत हुआ है।

इस भाषा विज्ञान के सम्यक सिद्धान्तों के एक साथ अध्ययन संबंधी कार्य भी प्रस्तुत हुए हैं। तात्पर्य यह है कि इन ग्रंथों में भाषा विज्ञान के सम्यक सिद्धान्तों का विवेचन है। डॉ भोलानाथ तिवारी, प्रो. देवेन्द्र नाथ शर्मा, डॉ देवीशंकर द्विवेदी आदि का इस दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ लेखकों ने अंग्रेजी के ग्रंथों का अनुवाद भी किया है। सब मिलाकर कहा जा सकता है कि आज जिस तीर्व गति से नए – नए शोध एवं नयी – नयी पुस्तकें इस क्षेत्र में निकल रही हैं वे भाषा विज्ञान के भाण्डार में श्रीवृद्धि ही कर रही है और भविष्य में भी करेंगें।

कौशलता विकास संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र

कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र हैं

कौशलता विकास, सामाजिक आर्थिक सुधारों, बढ़ती असमानता, बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा – एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया – सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है। बस!! जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की! जिसके बलपर सफलताओं की हदें पार की जा सकती है! खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग–अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशलता की करें तो, कोविड–19 महामारी से सामाजिक–आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयासों के बीच हुआ है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं। युवा महिलाओं और लड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ–साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है, इसके अलावा, संकट ने काम की दुनिया में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जो महामारी पर काबू पाने के बाद मांग में होंगे। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां, जैसे कि यूनेस्को–यूएनईवीओसी, काम की दुनिया में पहुंच बाधाओं को कम करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं। 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम कौशलता विकास में भारत की करें तो यह हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्टस में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण करता है

साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलेपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई)रू वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाई)रू 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना 3.0रू यह भारत के युवाओं को 300 से अधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिए 2021 की शुरुआत की गई है। पूर्व सीखने की मान्यतारू इसे 2015 में व्यक्तियों द्वारा अर्जित पूर्व स्किल्स को पहचानने के लिए लॉन्च किया गया था। यह पीएमकेवीवाई के प्रमुख घटकों में से एक है। इसके तहत एक निश्चित स्किल्स वाले या पूर्व सीखने के अनुभव वाले व्यक्ति को राष्ट्रीय स्किल्स योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार ग्रेड के साथ आरपीएल के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाता है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजनारू इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2015 में शुरू की गई ।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट)रू यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है।

आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प)रू इसका ध्यान अभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला–स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे विश्व बैंक के साथ सहयोग किया गया है। औद्योगिक मूल्य वृद्धि के लिए स्किल्स सुदृढ़ीकरणरू स्ट्राइव योजना आईटीआई और शिक्षुता के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले स्किल्स प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्व बैंक की सहायता प्राप्त भारत सरकार की परियोजना है। पीएम युवा योजना (युवा उद्यमिता विकास अभियान)रू वर्ष 2016 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाना हैय समर्थन और उद्यमिता समर्थन नेटवर्क तक आसान पहुंच और समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यमों को बढ़ावा देना। यंग, अपकमिंग एंड वर्सेटाइल ऑथर्स (वाईयूवीए) योजना, युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम है। कौशलाचार्य पुरस्काररू स्किल्स प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योगदान को पहचानने और अधिक प्रशिक्षकों को स्किल्स भारत मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए शुरू किया गया। शिक्षुता और स्किल्स में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजनारू यह योजना राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना के माध्यम से अप्रैल 2019 में बाहर निकलने वाले सामान्य स्नातकों को उद्योग शिक्षुता अवसर प्रदान करने के लिए है। आत्मानिभर कुशल कर्मचारी नियोक्ता मानचित्रण 2020 में शुरू किया गया, यह कुशल लोगों को स्थायी आजीविका के अवसर खोजने में मदद करने के लिए एक पोर्टल है जनजातीय समुदाय के लिए विशेष पहल। गोइंग ऑनलाइन एज लीडर्सश –ळव्।स् आदिवासी आबादी को कला और संस्कृति, हस्तशिल्प, कपड़ा और आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में मदद कर रहा है जिससे जनजातीय आबादी के बीच एंटरप्रेन्योरशिप का विकास हो रहा है। इसी प्रकार वन धन योजना आदिवासी समाज को नए अवसरों से प्रभावी ढंग से जोड़ रही है।

साथियों बात अगर हम विश्व को चलता दिवस 15 जुलाई के इतिहास की करें तो, 18 दिसंबर 2014 को, संयुक्त राष्ट्र महासभाने सर्वसम्मति से श्रीलंका के नेतृत्व में एक प्रस्ताव अपनाया, और 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। वैश्विक स्तर पर युवा कौशल विकास के महत्व को उजागर करने के लिए श्रीलंका ने 77 देशों का समूह और चीन की सहायता से इस संकल्प की शुरुआत की थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2022 को मनाया जा रहा है ।कौशलता विकास संकट मोचन बौद्धिक अस्त्र हैं। कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र है। कौशलता विकास का सामाजिक आर्थिक सुधारों बढ़ती असमानता बेरोजगार जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा।

केन्द्रीय बजट दिलाएगा हाथ से गंदगी साफ करने के कलंक से मुक्ति

वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए केन्द्र सरकार के वार्षिक बजट 2023–24 में संकल्प लिया गया है कि सेप्टिक टैंकों और नालों से मानव द्वारा गंदगी निकालने का काम पूरी तरह से मशीनयुक्त बनाने के लिए शहरों को तैयार किया जाएगा ।मौजूदा सरकार का अंतिम पूर्ण बजट होने के कारण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट 2023–24 में समाज के लगभग सभी वर्गों को छूने का प्रयास किया है। खासकर आयकर छूट की सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख और पुरानी कराधान व्यवस्था के तहत टैक्स स्लैब 6 की जगह 5 करने के साथ ही छूट की सीमा 2.50 लाख सालाना से बढ़ाकर 3 लाख करने से न केवल सरकारी कर्मचारियों बल्कि मध्यम वर्ग ने भी राहत की सांस ली है ।वहीं, इस बजट में सामाजिक तौर पर जो महत्वपूर्ण बात नजर आ रही है वह सफाई कर्मचारियों को मैनुअल स्कैवेंजिंग से मुक्ति दिलाने के लिए सेप्टिक टैंकों और गन्दी नालियों की सफाई के लिए मशीनीकरण शुरू करने की है ।वास्तव में कानूनी प्रावधानों के बावजूद व्यवहारिक कठिनाइयों और दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में सिर पर मैला ढोने या दूसरों की गन्दगी को हाथ से साफ करने का कलंक समाज के माथे से साफ नहीं हो रहा है। अब भी हर साल सेकड़ों की संख्या में सफाईकर्मी सीवरलाइनों के अन्दर दम घुटने से जान गंवा रहे हैं। आज भी स्कैवेंजिंग का काम अनुसूचित जाति के एक वर्ग के भरोसे चल रहा है ।मशीनें दिलाएंगी मैला साफ करने के कलंक से मुक्तिवित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए केन्द्र सरकार के वार्षिक बजट 2023–24 में संकल्प लिया गया है कि सेप्टिक टैंकों और नालों से मानव द्वारा गंदगी निकालने का काम पूरी तरह से मशीनयुक्त बनाने के लिए शहरों को तैयार किया जाएगा। जाहिर है कि केन्द्र सरकार इस प्रथा की मुक्ति के लिए नगर निकायों को मशीनें उपलब्ध कराएगी या उसके लिए अलग से बजट देगी। स्वच्छता अभियान के तहत केन्द्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच मुक्ति का अभियान 2014 से चला चुकी है ।हालांकि, खुले में मुक्ति के लिए अक्टूबर 2019 तक का लक्ष्य रखा गया था जो कि व्यवहार में अभी तक अधूरा है। फिर भी उस मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों घरों में शौचालय बने हैं। अब इस अभियान को अगर दिलोजान से चलाया गया तो इंसानों की एक बिरादरी को सचमुच दूसरों की गन्दगी साफ करने से कलंक से मुक्ति मिल जाएगी ।महात्मा गांधी और डॉ. अम्बेडकर दोनों ने ही हाथ से मैला ढोने की प्रथा का पुरजोर विरोध किया था। यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 15, 21, 38 और 42 के प्रावधानों के भी खिलाफ है। आजादी के 7 दशकों बाद भी इस प्रथा का जारी रहना देश के लिए शर्मनाक है और शीघ्रातिशीघ्र इसका अंत होना चाहिए ।सीवर लाइनों में सेकड़ों सफाईकर्मी तोड़ते हैं दमलोक सभा में 2 फरवरी 2021 को लातूर महाराष्ट्र के सांसद सुधाकर तुकाराम के एक प्रश्न के उत्तर में तत्कालीन सामाजिक अधिकारिता मंत्री थावर चन्द गहलोत का जवाब था कि 31 दिसम्बर 2020 तक उससे पिछले 5 सालों में देशभर में सीवर लाइनें साफ करते हुए 340 सफाइकर्मियों की मौतें हुईं। इनमें सर्वाधिक 52 सफाईकर्मी उत्तर प्रदेश में मारे गए उसके बाद तमिलनाडु की गंदी नालियां जाति विशेष के कर्मियों के लिए मरघट बनीं जहां 43 लोगों ने जानें गंवाई। देश की राजधानी दिल्ली जहां से इस समाजवादी–धर्म निरपेक्ष–लोकतांत्रिक गणराज्य का संचालन होता है, में 36 सफाईकर्मियों ने नारकीय परिस्थितियों में दम तोड़ा।

समाजिक अधिकारिता मंत्री का यह भी जवाब था कि देश में अब तक 13 राज्यों में 13,657 मैला ढोने वालों की पहचान की गई है, लेकिन 2011 की जनगणना में परिवारों के आंकड़ों से बड़ी संख्या में गंदे शौचालयों को हटाने को ध्यान में रखते हुए राज्यों से कहा गया है कि वे अपने सर्वेक्षण की दोबारा समीक्षा करें ।उसी दौरान 4.97 लाख घरों में मानव मल की सफाई पशुओं द्वारा किए जाने की भी पहचान हुई। इससे पहले 1992 से लेकर 2005 तक देश में 7.7 लाख सिर पर मैला ढोने वालों की पहचान की गई थी। उसके बाद 2010 में 1.18 लाख मैनुअल स्कैवेंजरों की पहचान की गई ।सितम्बर 2013 में संसद द्वारा "हाथ से मैला साफ करने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013" पास किया गया।

सितम्बर 2013 में संसद द्वारा "हाथ से मैला साफ करने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013" पास किया गया। – फोटो रू पेजवबास्केवेंजिंग से कानून नहीं दिला पाया मुक्ति दरअसल, कानून अकेले किसी समस्या का समाधान नहीं कर सकता।

अमहिया दरबार में नवनियुक्त मध्य प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों का किया गया सम्मान कार्यक्रम

मध्यप्रदेश। आयोजन पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सिद्धार्थ तिवारी राज जी ने किया कार्यक्रम में मध्य प्रदेश कांग्रेश के उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद रीवा जिला के संगठन के प्रभारी प्रताप भानु शर्मा जी पधारे मध्य प्रदेश संगठन के रीवा जिला के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ब्रजभूषण शुक्ला महासचिव सीधी जिले के प्रभारी महासचिव राजेंद्र मिश्रा महासचिव शिवप्रसाद प्रधान राम गरीब बनवासी मध्य प्रदेश उपाध्यक्ष, विमलेंद्र तिवारी, महापौर अजय मिश्रा बाबा, जिला अध्यक्ष ग्रामीण इंजी राजेंद्र शर्मा मध्य प्रदेश कांग्रेस, सेवादल के महासचिव डॉ एसएस तिवारी, पूर्व विधायक अभय मिश्रा, जिला शहर अध्यक्ष लखन लाल खंडेलवाल पहलाद सिंह, समाजसेवी वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविंद दास तिवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व सचिव सतनारायण चतुर्वेदी, प्रदीप सोहगौरा जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष विजेंद्र शुक्ला पूर्व मऊगंज ब्लॉक अध्यक्ष, किसान कांग्रेस के महासचिव संजय पांडे, सेवादल महासचिव विमल पांडे, संगठन प्रभारी रवि तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आनंद सागर पांडे, संगठन जिला सज्जन पटेल, मनीष गुप्ता संगठन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष शहीद मिस्त्री, सेवादल युवा कांग्रेस एनएसयूआई व मीडिया सेल पीसीसी के सदस्य, जिला पंचायत के सदस्य, पार्षद गण, शिवेंद्र सिंह पूर्व सरपंच, रमेश तिवारी अमहिया, पूर्व पार्षद, पूर्व सरपंच, वर्तमान सरपंच, जनपद सदस्य एवं रीवा जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पधारे। सभी का सिद्धार्थ तिवारी राज जी ने नव वर्ष मिलन समारोहों वाह नवनिर्वाचित प्रदेश संगठन के पदाधिकारी एवं रीवा जिला के जिला अध्यक्ष ग्रामीण, जिला शहर अध्यक्ष और महापौर का भव्य स्वागत किया और संकल्प लिया कि जब तक आठों विधानसभा की सीट हम नहीं जीत लेंगे तब तक शांत नहीं बैठेंगे अपने पूजनीय स्वर्गीय पिता जी सुंदरलाल तिवारी पूर्व सांसद की आत्मा को स्मरण और नमन किया दादा श्री युक्त श्रीनिवास तिवारी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जी को स्मरण किया और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा ने कहा की आप सभी को मिलकर वर्ष 2018 में पूरे प्रदेश की जनता ने कांग्रेस पार्टी को जनादेश देकर प्रदेश में सरकार बनाई थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्ट आचरण और खरीद–फरौद से चुनी हुई सरकार को गिरा कर जनता के साथ छलावा किया इस बार हम अपने संगठन के दम पर पुनः 2023 में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने जा रहे हैं और इस कलंक को मिटा दीजिए जो आठों सीटों हारे हैं, 2023 में आप सब लोग मिलकर आठों सीट विजय होने का सबका मार्गदर्शन दिया वा संकल्प लिया इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेंद्र शर्मा ने कहा कि हमारा संकल्प तीन सूत्रों पर आधारित है– पहला संकल्प सरकार बनाने, दूसरा संकल्प कांग्रेस विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने , तीसरा संकल्प नफरत फैलाने वाले लोगों को हटाने का उन्होंने कहा कि छोटे से छोटे कार्यकर्ता का बड़े से बड़े नेताओं तक संवाद स्थापित करना और सबको सम्मान देना हमारी पहली प्राथमिकता है, रीवा जिला के संगठन प्रभारी शर्मा जी जिस तरह संगठन को लेकर मंथन कर रहे हैं वह काबिले तारीफ है आने वाला समय कांग्रेस का होगा सब लोगों को एकत्रित करने का जो बीड़ा उठाया है।

ब्लाक जवा एवं डभौरा की सयुक्त तैयारी बैठक जवा मे हुई संपन्न

मध्यप्रदेश हाथ से हाथ जोड़े कार्यक्रम के मध्य प्रदेश प्रभारी राज्य सभा सांसद राष्ट्रीय नेता आदरणीय श्री प्रमोद तिवारी जी के जवा में 4 तारीक कोअगवान को लेकर आज आदरणीय जिला अध्यक्ष इंजीनियर राजेन्द्र शर्मा जी पूर्व जिला अध्यक्ष आदरणीय श्री त्रियुगी नारायण शुक्ला जी संगठन मंत्री एडवोकेट रवि तिवारी जी द्वारा तैयारी बैठक जवा में आयोजित की गई जिसमे जिला के कार्यवाहक अध्यक्ष आदरणीय श्री गिरीश सिंह जी एवं कार्यवाहक अध्यक्ष श्री रमाशंकर सिंह जी श्री रमेश पटेल जी प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री ब्रिजेंद्र पाण्डेय जी एवं ड्रा.अरुणेंद्र शेखर मिश्रा जी श्री तरुणेंद्र द्विवेदी प्रदेश किसान कांग्रेस सचिव श्री रमाशंकर मिश्रा जी श्रीमती पूर्णिमा तिवारी जिला पंचायत सदस्य, श्री चक्रधर सिंह जी श्री धनेंद्र पाण्डेय जी श्री लाखन सिंह मंडलम जवा श्री शशि भूषण दुबे श्री शशि भूषण मिश्रा जी मनोज दुबे जी भूपेंद्र सिंह जी श्री सारदा द्विवेदी जी मंडलम चौखंडी शिव बालक पाण्डेय जी किशोर कुमार तिवारी जी पत्रकार जय प्रकाश तिवारी जी अमरनाथ सिंह जी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बैठक किया संचालन डभोरा ब्लाक अध्यक्ष श्री अरुण सिंह पिंटू ने किया एवं आभार प्रदर्शन धनेंद्र द्विवेदी ब्लाक अध्यक्ष जवा ने किया कार्यक्रम जवा जनपद के मैदान मे दिनाक 4 फरवरी समय 12बजे को होना निश्चित हुआ है।

क्या है अयोध्या पहुंची शालिग्राम की देवशिला से जुड़ा इतिहास, जानें– अब इनका क्या किया जाएगा

अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या, नेपाल से बिहार होते हुए देवशिला अयोध्या पहुंच चुकी है. लोगों के जहन में यह उत्सुकता जरूर होगी कि अब इसका क्या होगा और किस तरह की पूजा होगी. इन सब सवालों के साथ यह भी जान लीजिए कि जिन रास्तों से यह देवशिला लाई गई है उन्हीं रास्तों से त्रेता युग में भगवान श्री राम खुद बिहार होते हुए जनकपुर गए थ, इसीलिए लोगों ने दो शिलाओं में से बड़ी को श्री राम मान लिया तो छोटी को माता सीता मान लिया. दृश्य ऐसा था कि मानों सीता की विदाई हो रही हो और लोग दुखी इसलिए भी थे कि एक बार श्री राम गए तो वापस फिर कभी मिथिला नहीं आए तो इस बार भी राम जा रहे हैं तो वापस आएंगे कि नहीं. गुरुवार 2 फरवरी को अयोध्या के श्रीराम कारसेवक पुरम में लाई गई इन दोनों शिलाओं की पूजा ,किस तरह होगी इसको लेकर हर किसी के मन में उत्सुकता जरूर होगी. यह जानने के पहले यह जान लीजिए कि यह दोनों शिलाएं नेपाल सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को दान स्वरूप दी हैं. शिलाओं को हस्तांतरित करने के लिए प्रतिनिधि के तौर पर नेपाल से जानकी धाम के मुख्य महंत और वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री विमलेंद्र निधि भी शिला के साथ आए हैं. शास्त्रनुसार पूरे विधि विधान से नेपाल सरकार की तरफ से यह दोनों प्रतिनिधि श्री राम मंदिर ट्रस्ट को सौंपेंगे. इस दौरान जो विधि विधान और दान अर्पित करने की पद्धति होती है वैसा ही कुछ आपको श्रीराम कारसेवक पुरम में देखने को मिलेगा. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल ने बताया कि, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नेपाल सरकार द्वारा यह दान दिया गया है और उनके अधिकृत यह लोग आए हैं. पूज्य महंत और एक प्रतिनिधि उनके साथ हैं. वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री विमलेंद्र निधि जी मिलकर शास्त्र विधि से ट्रस्ट को समर्पित करेंगे. बैठक में लिया जाएगा बड़ा फैसला अब सवाल उठता है कि क्या नेपाल से लाई गई इन्हीं देव शिलाओं से श्री राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भ गृह में विराजमान होने वाले रामलला की मूर्ति बनाई जाएगी तो इसका जवाब सीधे तौर पर इतना भर है कि शिलाओं के हस्तांतरण के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक होगी. इस बैठक के दौरान शास्त्रीय विशेषज्ञ धार्मिक विद्वान और कला की दृष्टि से विशेषज्ञ भी मौजूद होंगे. इसी बैठक के दौरान यह तय होगा कि इन शिलाओं से गर्भ गृह में प्राण प्रतिष्ठित किए जाने वाले रामलला की मूर्ति तैयार होगी या फिर इनका उपयोग राम दरबार या अन्य कहीं किया जाएगा . कामेश्वर चौपाल ने बताया कि इसमें ट्रस्ट के लोगों ने कुछ निर्णय लिया है कि कितनी बड़ी मूर्तियां बनेंगी और कैसी बनेंगी यानी उनका स्वरूप क्या होगा. इन बिंदुओं पर विचार हुआ हैं. इसके बाद फिर से ट्रस्ट के लोग बैठेंगे. शास्त्रीय विशेषज्ञ और कला की दृष्टि से विशेषज्ञ बैठकर जो निर्णय करेंगे वह आगे किया जाएगा. जनकपुर और मिथिला के लोगों को है ये आशंका भले ही अभी तक राम मंदिर ट्रस्ट ने कोई अंतिम निर्णय न लिया हो, लेकिन लोगों ने तो बड़ी शिला को श्री राम और छोटी को माता सीता के रूप में देख भी लिया है मान भी लिया है और पूज भी लिया है. जनकपुर और मिथिला के लोगों को आशंका है तो केवल यह कि जैसे त्रेता में राम आए थे और गए तो घूम कर फिर से मिथिला में नहीं आए, आज फिर से जा रहे हैं तो वापस आएंगे कि नहीं आएंगे. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल ने बताया कि, हम लोग तो नेपाल के उत्साह से अधिक उत्साहित हो गए. नेपाल के लोग जब तक शिला की खोज हुई थी तब तक इतने उत्सुक नहीं थे और जैसे ही खोज हो गई वैसे ही वह शिला को सीधे–सीधे भगवान राम से जोड़ दिए हैं और उसका नाम वहां पर देवशिला रखा गया, उसके बाद निर्णय हुआ कि पूजा करेंगे, इसके लिए शिला को लेकर जनकपुर गए. श्रद्धा से लबरेज भावनाओं की कोई सीमा नहीं होती इसीलिए नेपाल से भारत में प्रवेश करते समय देशों की सीमाएं टूट गईं. नेपाल और भारत दोनों तरफ के लोग ऐसे मिल गए जैसे सीता की विदाई हो रही हो, कहीं क्रंदन था तो कहीं आंसू से भरी आंखों से शिला को पकड़ना, छूना यह फिर दुलारा. कामेश्वर चौपाल ने बताया कि, जैसे हम लोगों ने नेपाल से भारत में प्रवेश किया तो वह बॉर्डर की सीमा टूट गई. भौगोलिक सीमा टूटी और दोनों तरफ के लोग ऐसे मिल गए जैसे मिथिला से सीता की विदाई हो रही है और राम के साथ सीता जा रही हैं. उस समय का दृश्य बहुत कारुणिक भी था .अब इसे संयोग कहेंगे या फिर देव इच्छा कि जनकपुर से विहार होते हुए जिन रास्तों से यह शिला अयोध्या तक पहुंची है, त्रेता युग में कभी इन्हीं रास्तों से श्री राम बिहार होते हुए जनकपुर गए थे. इसीलिए शिला लेकर आ रहे राम मंदिर ट्रस्ट के लोगों को रास्ते का दृश्य देखकर ऐसा महसूस हुआ मानो त्रेतायुग वापस आ गया हो. कामेश्वर चौपाल ने बताया कि, मुझे लगता है कि, बिहार की सीमा में घुसते और निकलते समय जनसैलाब ही जनसैलाब था. ऐसा लग रहा था कि त्रेता युग वापस आ गया है. संयोग था कि कभी त्रेता युग में इसी मार्ग से होते हुए बिहार गए।

एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में नशे के विरुद्ध 101वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कुरुक्षेत्र से समाना बाहु विद्यालय में साइकिल चलाकर पहुंचे उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा और कर्मचंद करनाल। नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा अपने साथी सेवानिवृत उप निरीक्षक कर्म चंद के साथ साइकिल चलाकर कुरुक्षेत्र से नीलोखेड़ी पहुंचे। उन्होंने अपने साइकिल के आगे फट्टियाँ लगाई हुई थी जिन पर लिखा था नशा एक बुराई है जीवन की सच्चाई है आदि। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख एवं अंबाला मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव भापुसे साहब के दिशानिर्देशों मार्गदर्शन प्रेरणा और नेतृत्व में गांव स्तर तक नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस कड़ी में आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समाना बाहु में एक दिवसीय 101वां नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या रमा पूरी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में पधारे हुए थे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करते हुए कहा कि नशा कोई भी अच्छा नहीं है। नशा मनुष्य के मन और मस्तिष्क को खोखला कर देता है। उसके सोचने समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है और धीरे धीरे वह नशा प्राप्त करने के लिए कोई भी अपराध कर सकता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का पाठ पढ़ाते हुए डॉ. वर्मा ने कहा कि हरियाणा का एक नारा था देसां में देश हरियाणा जहाँ दूध दही का खाना। आज हरियाणा में बढ़ रहे नशे के प्रचलन को देखते हुए हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो द्वारा एक गाना बनाया गया है– म्हारा हरियाणा नशा तै बचा कै राखियों न यो चिट्टा खा जागा या है काली नागिनी। कोई भी व्यक्ति अपने आप नशा करना नहीं सीखता है और न ही किसी व्यक्ति के माता पिता और गुरुजनों द्वारा उसे नशा करने की सीख दी जाती है। उन्होंने आगे कहा तो कौन है जो हमे नशे की लत में लगाता है। उन्होंने इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देते हुए कहा कि जो व्यक्ति आपसे ईर्ष्या अथवा जलन रखता है और जो आपके विकास को देखकर प्रसन्न नहीं है वो ही हमे नशे की लत में लगाता है। यही स्थिति देश की होती है। कुछ देश भारत को उन्नति करते हुए ईर्ष्या करते हैं और यही कारण है कि इस देश में प्रतिबंधित नशा भेजा जा रहा है। इस नशे से जो धन आता है उस धन का प्रयोग आतंकवादी गतिविधियों में किया जाता है। प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि अपने देश को और विशेष रूप से युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने में योगदान दे।

जन समस्या पर हर समय हो नजर

मध्यप्रदेश रीवा सिरमोर विधानसभा के अन्तर्गत शिव शंकर तिवारी भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष जवा बीडीसी क्षेत्र वार्ड क्रमांक 17 अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनी के विजहा टोला हरिजन बस्ती एवं ग्राम पंचायत गड़ेहरा के खैराहबा टोला आदिवासी बस्ती में जहां पानी की समस्या थी ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए जनपद सदस्य मनीषा शिवशंकर तिवारी ने माननीय विधायक युवराज दिव्यराज सिंह जी से आग्रह करके दोनों स्थानों में दो नवीन हैंडपंप कराए गए हैं जहां ग्रामीणों ने माननीय विधायक जी एवं जनपद सदस्य शिव शंकर तिवारी को सहृदय आभार व्यक्त किए हैं पंचायती चुनाव के दौरान शिव शंकर तिवारी ने बिजहा टोला आदिवासी बस्ती में ग्रामीणों को एक छोटे कूप में पानी भरते हुए देखे थे वहीं उन्होंने संकल्प लिया था कि यह चुनाव परिणाम के शीघ्र बाद इस समस्या का हल कराएंगे उक्त समस्या को संज्ञान में रखते हुए आज ग्रामीणों का सपना पूरा हुआ इस अवसर पर समाजसेवी बेनी प्रसाद मिश्रा एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग जिला कार्यसमिति सदस्य रमाकांत यादव मौजूद रहे।

दिन दहाड़े मंदिर से चोरी हो गए नाग देवता

गुढ़ मे चोरो का आतंक है जारी नही लग पा रहा इन चोरो पर लगाम दिन दहाड़े मंदिर से नाग देवता हुए चोरी दि ग्राम टुंडे रीवा चीफ ब्यूरो उमेश पाठक मध्यप्रदेश गुढ़। जी हम इस समय गुढ़ मे चोरो का आतंक बहुत तेज से बढ़ गया है चोरो ने गुढ़ मे इस तरह आतंक मचा रखा है। की गुढ़ नीलकंठ मंदिर बस स्टैंड मे विराजमान है और उनके ऊपर पीतल के नाग देवता को विराजमान किया गया था लेकिन चोरो की नजर भगवान भोले नाथ के उसमे भी पड़ी और आज दोपहर 2 से 3 बजे मंदिर से नाग देवता हो गए चोरी ये चोरी इसके पहले भी की जा चुकी थी एक बार एक साल पहले लेकिन अभी तक इन चोरो का नही लगा कोई सुराग और फिर से हुई चोरी इस तरह दिन दहाड़े चोरी करना और बार – बार चोरी करने से चोरो के हौसले हो रहे लगातार बुलंद चोरो के आतंक से समूचा गुढ़ है परेशान लेकिन अभी तक इन चोरो पर गुढ़ पुलिस नही लगा पा रही है लगाम और जिससे इनके हौसले दिन मे चोरी करने के हौसले बुलन्द हो रहे हैं।

हिंदू जोड़ा यात्रा का शुभारंभ हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा

राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना ने हिंदू जोड़ा यात्रा का बुधवार को नैमिष धाम से प्रारंभ किया इसकी शुरआत चक्रतीर्थ पर पूजन अर्चन से की यात्रा गांव गांव जाकर हिंदुत्त और सनातन का प्रचार करेगा राष्ट्रीय अध्यक्ष विकाश हिंदू राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप हिंदू और जिला अध्यक्ष दीपक त्रिपाठी के नेतृत्व मे सभी पदा अधिकारी व कार्यकर्ताओं माता ललिता देवी के मंदिर में पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया यात्रा का शुभारंभ करते हुए पैदल सभी लोग हनुमानगढ़ी गए नैमिषारण्य नगर में पैदल भ्रमण करते हुए जन जन से मिलकर भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने की मांग के हस्ताक्षर अभियान चलाया नैमिषारण्य धाम से यात्रा चलती हुई लक्ष्मण नगर पहुंची संवाद।

श्री यादें मां जयंती धूमधाम से मनाई

पुष्पा भाटी दि ग्राम टुडे (राजस्थान संपादक)आसींद श्री दक्ष प्रजापति सेवा समिति संस्थान के तत्वाधान में प्रजापति (कुम्हार) समाज की आराध्य देवी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।जुलूस मे समाज के लोग नाचते गाते हुए बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया ।

समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया साथ ही महात्मा गांधी चिकित्सालय की टीम ने रक्तदान शिविर का भी आयोजित किया गया आसींद सेवा समिति अध्यक्ष राजू प्रजापति जानकारी मैं बताया कि 102 यूनिट रक्तदान हुआ । कवि भैरूलाल प्रजापत ने बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रम में अध्यक्षता राष्ट्रीय कुम्हार महासभा के जिला अध्यक्ष श्रवण लाल कुमार व सर्व कुम्हार महासभा के जिला अध्यक्ष मोहन लाल प्रजापत ने की और मुख्य अतिथि हगामी लाल मेवाड़ा व विशिष्ट अतिथि देवी लाल साहू, ऐश्वर्या सिंह रावत और सोहन लाल प्रजापत जिला मंत्री, दुर्गा लाल प्रजापत जिला मंत्री ने की ।कार्यक्रम में सैकड़ों समाज बंधुओं व भक्तों लोगों ने भाग लिया।

एडी बेसिक से मिला जूहा शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल ग्राम प्रधान और बीएसए पर प्रधानाध्यापक को प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेशीय जूहा शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार एडी बेसिक से मिलकर देवरिया की प्रधानाध्यापिका को साजिशन प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। संघ ने ज्ञापन सौंप कर प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।
संघ के मंडल अध्यक्ष ज्ञानेश्वर पाण्डेय के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में संघ ने कहा है कि श्रीमती हेमा त्रिपाठी देवरिया जनपद अंतर्गत बैतालपुर ब्लाक के पूमावि अवरा चौरी की प्रभारी प्रधानाध्यापिका और संगठन की जिलाध्यक्ष है। उनके ग्राम प्रधान राजनैतिक पकड़ का दुरुपयोग कर प्रधानाध्यापक पर विधि विरुद्ध कार्य करने का दबाव बनाते है। गलत कार्य नही करने पर ग्रामप्रधान उनके खिलाफ गलत आरोप लगाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे है। संघ का यह भी आरोप है कि ग्राम प्रधान की साजिश में बीएसए देवरिया भी संलिप्त है। संगठन ने महानिदेशक समग्र शिक्षा उत्तरप्रदेश, मंडलायुक्त गोरखपुर, जिलाधिकारी देवरिया, सीडीओ देवरिया और बीएसए देवरिया को भी पत्र सौंपकर उच्चस्तरीय जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में मंडल महामंत्री विजय शंकर त्रिपाठी, वीरेंद्र तिवारी, अतुल कुमार शुक्ला, गोरखपुर जिलाध्यक्ष बाल विनोद शुक्ला, महामंत्री प्रवीन मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रकांति नीता यादव, मुन्नालाल राय बृजेंद्र श्रीवास्तव गंगेश्वर त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। आंच कराकर न्याय दिलाया जाएगा : एडी बेसिक
सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) गोरखपुर मण्डल सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया है कि पीड़ित शिक्षिका के साथ अन्याय नही होने दिया जाएगा। प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मंदिर में हुआ महिला संगीत

राजस्थान,सीकर, यहां विश्वकर्मा चौक स्थित विश्वकर्मा मंदिर में बृहस्पतिवार को महिला संगीत का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए वहीं श्याम भक्त रामगोपाल गोपी ने भी एक से बढ़कर एक धमाल प्रस्तुत की इस अवसर पर विनोद जांगिड़,लक्ष्मी जांगिड़, सुमन जांगिड़,मधु कुमावत,सरोज शर्मा, सरिता पेसवानी,सुषमा तोतवानी, (अध्यक्ष विश्वकर्मा मंदिर महिला मंडल) भावना जांगिड़, श्री श्याम बाबा भजन समिति उपाध्यक्षज्योति तनवानी,व संयोजक एवं सचिव श्याम भक्त राम गोपाल गोपी सहित काफी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

एकादशी धूमधाम से मनाई

गजसिंहपुर ! एकादशी के अवसर पर श्री श्याम बाबा के कीर्तन का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया।श्री श्याम कृष्ण मंदिर के मुख्य सेवादार देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि एकादशी के अवसर पर वार्ड नं एक श्री श्याम कृष्ण मंदिर आसाहय नंदी गौशाला में कीर्तन के कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धुमधाम से किया गया इस कीर्तन में कस्बे व आसपास के गांवों से बड़ी तादाद में श्याम प्रेमी पुहचे इस मौके पर कस्बे के श्याम प्रेमियों के द्वारा रात्रि साढे आठ बजे से लेकर साढे दस बजे तक कीर्तन का आयोजन किया गया हारे के सहारे से पुरा कस्बा गुंजमान हो गया इससे पूर्व श्री श्याम कृष्ण मंदिर प्रबंधक कमेटी के द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया बैठक में 26 सदस्यो की कमेटी का गठन किया गया व दो मार्च को फागुन उत्सव के कार्यक्रम पर चर्चा की गई इस मौके पर प्रबंधक कमेटी के द्वारा मन्दिर के कार्यक्रमो में विशेष सहयोग देने वाले सदस्य अनिल मित्तल, देवेंद्र शर्मा, दिनेश कड़वासरा प्रिंस कुमार, दीपक गर्ग संजय सोनी,लविश नागपाल,मनिंदर लवी मनोज गर्ग सुनील सुथार नीरज चावला, बबलू सुथार, विजय बंसल,विशु बलाना, मोहित कोचर, चन्नी डागा,आदि को साफा पहनाकर सम्मानित किया गया उक्त जानकारी गजसिंहपुर संवाददाता सुरज गुगलानी ने दी!

अंतरराष्ट्रीय दोहा संग्रह भारत के अशोक चक्र विजेता का लोकार्पण हिंदी भवन दिल्ली में

(देश विदेश के 140 दोहाकारों को काव्य श्री सम्मान से अलंकृत होंगे) अंतरराष्ट्रीय शब्द सृजन के द्वारा अंतरराष्ट्रीय दोहा संग्रह भारत के अशोक चक्र विजेता का लोकार्पण दिल्ली के हिंदी भवन में 5 फरवरी 2023 को किया जायेगा जिसमें देश विदेश के 140 साहित्यकारों को काव्य श्री सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि आगामी 5 फरवरी को दिल्ली के हिंदी भवन में आयोजित होने वाले इस भव्य लोकार्पण समारोह में भारत के विभिन्न प्रांतों से एवं अन्य देशों से लगभग 140 सहभागी साहित्यकार इस अवसर पर काव्य श्री सम्मान से अलंकृत किये जायेंगे। इसी श्रृंखला में श्रेष्ठ कैंट उत्तर प्रदेश से इस ग्रन्थ के सहभागी दोहाकार श्रीमा गर्ग मंजरी को काव्य श्री सम्मान से अलंकृत किया जाएगा जिन्होंने श्योहन नाथ गोस्वामी अशोक चक्र विजेता पर दोहे लिखे है।
हिंदी साहित्य के अछूते विषय भारत के अशोक चक्र विजेताओं पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन आयोजन किया गया था। जिसमें 201 रचनाकारों ने किसी एक अशोक चक्र विजेता पर दोहे सृजित कर काव्य पाठ किया था। इस प्रकार के अनूठे आयोजन को विशिष्ट श्रेणी में मानते हुए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने दर्ज किया गया है।
इन्ही रचनाकारों में से चयनित 167 रचनाकारों के दोहे संकलित कर इस ऐतिहासिक महत्व के ग्रन्थ श्भारत के अशोक चक्र विजेतार को सर्वभाषा प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। इस ग्रन्थ में सम्पादक की भूमिका संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष साहित्यकार डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने एवं संकलनकर्ता की भूमिका का निर्वहन संस्था के महासचिव देश के वरिष्ठ गीतकार ओंकार त्रिपाठी निभाया है।
इस ऐतिहासिक एवं कालजयी ग्रन्थ में भारत के समस्त अशोक चक्र विजेताओं पर दोहे सृजित कर संकलित किया गया है जिसमें अमेरिका, नेपाल,यू ए ई, इंडोनेशिया, भारत के विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों को स्थान दिया गया है।
इस भव्य आयोजन को यादगार बनाने के देने के लिये संस्था के उपाध्यक्ष राजकुमार छापड़िया(मुम्बई) मार्गदर्शक डॉ यशपाल सिंह चौहान(दिल्ली) संगठन मंत्री ब्रज माहिर(फरीदाबाद) , सचिव रजनीश स्वछन्द(नालंदा) महिला इकाई अध्यक्ष कुसुमलता कुसुम(दिल्ली)महिला इकाई महामंत्री गार्गी कौशिक(गाजियाबाद), पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह श्रेयस(लखनऊ), महाराष्ट्र इकाई अध्यक्ष डॉ रोशनी किरण(मुम्बई),बिहार इकाई अध्यक्ष विनोद कुमार हँसौड़ा(दरभंगा)आदि जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिव्यांशी ठाकुर ने 50 मीटर्स रेस में द्वितीय स्थान हासिल कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया

इंदौर। भवंस प्रामिनेंट इंटरनेशनल स्कुल (निपानिया) इंदौर में हाल ही में 28 जनवरी 2023 को हुए वार्षिकोत्सव में फिफ्थ स्टैंडर्ड की होनहार स्टूडेंट कुमारी दिव्यांशी ठाकुर ने अनेक स्पर्धाओं में अपने साथियों सहित हिस्सा लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया साथ ही 50 मीटर्स रेस में द्वितीय स्थान हासिल कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इस अवसर पर यहां ग्राउंड पर मौजूद फैकल्टी व पैरेंट्स ने मिलकर हौसला अफजाई की तथा मातापिता पूजा–रविन्द्र ठाकुर सहित अनेकों साथियों ने शाबाशी व बधाइयां दी। दिव्यांशी ठाकुर बच्चों के मिनी ओलम्पियाड व अनेक प्रति स्पर्धाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अव्वल स्थान पा चुकी है।

आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज दिल्ली में आठवां रंगशीर्ष जयदेव थिएटर फेस्टिवल का आयोजन संपन्न

आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज दिल्ली में आठवां रंगशीर्ष जयदेव थिएटर फेस्टिवल का आयोजन में कालचक्र नाटक के माध्यम से जीवन के कालचक्र का रंगायन नाट्य समिति के श्री राम सेंटर ऑडिटोरियम में किया प्रदर्शन किया।
आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज की रंगायन नाट्य समिति के एलुमनाई छात्रों ने रंगशीर्ष जयदेव थिएटर फेस्टिवल के अंतर्गत 1 फरवरी को जयवंत दलवी द्वारा लिखित तथा दामोदर खडसे द्वारा अनूदित नाटक कालचक्र का मंचन किया।
हर माता–पिता अपने बच्चे की बेहतर परवरिश करते हैं, उसके लिए वे बहुत सारी कुर्बानियां भी देते हैं। बच्चों को इस बात का एहसास होना चाहिए कि अपने मां–बाप के त्याग को याद रखते हुए बुढ़ापे में हमेशा उनका साथ दें, उनका आदर–सम्मान करें न कि उनको बोझ समझें। कुछ ऐसा ही संदेश देता है नाटक श्कालचक्रश्।
संवाद, वेश भूषा, दमदार अभिनय की वजह से नाटक की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कालचक्र एक मराठी नाटक है जिसको हिंदी रंगमंच पर बहुत कम प्रस्तुत किया गया है। आज इसकी प्रस्तुति ने दर्शकों को बागवान फिल्म की याद दिला दी। नाटक अपने मार्मिक विषय और दिल को छू लेने वाले संवादों की वजह से दर्शक पर गहरा प्रभाव छोड़ता है। इसमें पिताजी की भूमिका कर रहे एलुमनी छात्र रविंदर पंत और माताजी की भूमिका कर रही पूर्व छात्रा श्रृष्टि यादव ने अपने अभिनय से पूरे थिएटर में एक शमा बांध कर रख दिया।उनके अभिनय, संवाद की अदायगी और मार्मिक प्रसंगों में चेहरे की भंगिमा से ही सब कुछ कह देने की क्षमता ने प्रस्तुति में जान ला दी। श्रृष्टि अपने कॉरपोरेट जगत के सभी कामों को स्थगित कर एक महीने से ज्यादे समय से इस नाटक से जुड़ी हुई हैं। उनके इस प्रतिबद्धता ने और साथी कलाकारों के उम्दा प्रदर्शन ने कालचक्र नाटक को यादगार बना दिया।
आज इस अवसर पर रंगशीर्ष जयदेव की पुस्तक मोहन राकेशरु अधूरे रिश्ते की पूरी दास्तान का लोकार्पण आज के विशिष्ट अतिथि रंग निर्देशक, शिक्षाविद फैजल अलकाजी और निर्देशक एवं कलाकार सबीना दत्ता जेटली ने किया। उन्होंने नाटक पर अपना संक्षिप्त वक्तव्य देते हुए कहा कि जयदेव जी की यह पुस्तक मोहन राकेश को नए सिरे से जानने समझने का मौका देता है। एक ऐसा मोहन राकेश जिसे शायद अब तक हम नहीं जानते थे। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसीपल, गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन श्री पवन जग्गी जी तथा भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में सचिव पद की गरिमा बढ़ा चुके श्री अरविंद मेहता जी तथा रंगायन के संयोजक श्री अजीत कुमार भी मौजूद रहे ।दूसरे दिन 2 फरवरी को वर्तमन छात्रों के द्वारा मणि मधुकर लिखित नाटक खेला पोलमपुर का वशिष्ट उपाध्याय के निर्देशन में मंचन किया गया। राजस्थान के लोकरूपों पर आधारित संगीतमय नाटक खेला पोलमपुर हास्य और व्यंग्यपूर्ण नाटक है जिसे विद्यार्थीयों ने बहुत ही मोहक अंदाज में प्रस्तुत किया।
इस अवसर पर मौजूद दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह ने छात्रों की प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कहा कि रंगायन ने रंगकर्म के क्षेत्र में निरंतर एक नया मुकाम हासिल किया है। एक से एक बेहतरीन प्रस्तुति देकर रंगायन ने विश्वविद्यालय रंगमंच की दुनियां को समृद्ध किया है और शिक्षा को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर मूल्यपरक शिक्षा की धारणा को मजबूती प्रदान की है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसीपल प्रोफेसर ज्ञानतोष कुमार झा ने कहा कि रंगायन तकनीकी मायाजाल से घिरे युवाओं के बीच एक सांस्कृतिक माहौल बनाने की कोशिश करती है जिससे न सिर्फ युवाओं की कलात्मक प्रतिभा को निखारा जा सके बल्कि उन्हें अधिक संवेदनशील नागरिक के तौर पर भी विकसित किया जाए। रिपोर्ट अजीत कुमार

इंदौर के मुख्य अभियंता (सिविल) के बामनिया का सेवानिवृति पर स्वागत

इंदौर।मुख्य अभियंता सिविल इन्दौर आदरणीय श्री ओंकारलाल बामनिया साहब के सेवानिवृत्त होने पर फेडरेशन इन्दौर एवं देवास द्वारा आत्मीय अभिनंदन किया गया। देवास फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव मकसूद पठान ने साफा बांधकर साथियों के साथ पुष्पमालाएं पहनाकर अपनी परंपरानुसार श्री बामनिया का स्वागत किया। इस गरिमामय कार्यक्रम में देवास के सुभाष यादव, बागली के वर्मा, सलीम भाई, यू एस राजपूत, भूषण अत्रे के साथ ही, मदन वर्मा, जे एल जोशी, सुशील मिश्रा, नरेन्द्र जैन, मोहन भाटिया एवं एन के यादव, झोनल सेक्रेटरी, फेडरेशन इन्दौर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सभी वक्ता साथियों ने श्री बामनिया साहब के कार्यकाल एवं व्यवहार की सराहना कर उनके स्वस्थ रहने की कामना की। एन के यादव ने श्री बामनिया साहब के कार्यकाल में सिविल के अनूठे और अविस्मरणीय कार्यो की याद दिलाते हुए, उनके और पूरे सिविल विंग के अधिकारियों व्दारा फेडरेशन के प्रति हमेशा सहयोगात्मक रवैया बनाये रखने पर उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आर्द्रभूमि के संरक्षण, सम्बर्द्धन एवं विकास पर एक जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

कानपुर देहात,आर्द्रभूमि के संरक्षण, सम्बर्द्धन एवं विकास पर एक जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन कानपुर देहात वन प्रभाग, कानपुर देहात द्वारा मईई एवं इटैली झील के समीप स्थित औनहों वन चेतना केन्द्र में किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे स्थानीय ग्रामीण एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे श्री ए०के० द्विवेदी प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा आर्द्रभूमि के महत्व एवं इसपर आम जनमानस की भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डालते हुये यह बताया गया कि आज के दिन पूरे विश्व में विश्व वेटलैण्ड दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी को ध्यान रखते हुये उ0प्र0 वन विभाग द्वारा भी प्रदेश स्तर पर महोवा स्थित विजय सागर पक्षी बिहार एवं अन्य जनपदों में जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आर्द्रभूमि किसी भी क्षेत्र विशेष के लिये एक समृद्धशाली प्राकृतिक संसाधन है, जिसमें खेती के साथ–साथ जल संरक्षण एवं उनमें प्रवासित जीव–जन्तुओं का सरक्षण यह आर्द्रभूमि करते है। ये आर्द्रभूमि किसी भी शरीर के लंग्स की तरह कार्य करते है। आर्द्रभूमि के इस महत्व को आम जनमानस को जान लेना चाहिए कि बिना इसके हम अपने दैनिक क्रियाओं का निष्पादन सुचारू रूप नहीं कर सकते। वर्तमान में प्रदेश में 10 रामसर साइट घोषित है, जो कि इस प्रदेश की समृद्धशाली गौरव गाथा को बताते है। जनपद कानपुर देहात के अन्तर्गत मईई व इटली झील सबसे वेटलैण्ड के रूप में विद्यमान है। जिसको संरक्षित, सम्बर्द्धित करने से जहाँ आर्द्रभूमि का विकास होगा वहीं ईको पर्यटन की दृष्टि से इस क्षेत्र विकसित करने से इस जनपद को लाभ मिलेगा जिसके लिये वन विभाग द्वारा आर्द्रभूमि को संरक्षित करने एवं ईको पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु एक परियोजना प्रेषित की गयी है।

महोत्सव कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतुएलईडी प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

कानपुर देहात
जिलाधिकारी नेहा जैन, पुलिस अधीक्षक बी0बी0जी0टी0एस0 मूर्ति एवं मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कानपुर देहात महोत्सव कार्यक्रम (6 फरवरी से 12 फरवरी तक) के प्रचार प्रसार हेतु एलईडी0 प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन जनपद के ग्रामीण व शहरीय क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को कानपुर देहात महोत्सव में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग करने हेतु जागरूक करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि (6 फरवरी से 12 फरवरी तक) कानपुर देहात महोत्सव कार्यक्रम होने वाला है, इसमें ज्यादा से ज्यादा कानपुर देहात की जनता प्रतिभाग करें तथा कार्यक्रम को सफल बनाये। उन्होंने कहा कि 6 फरवरी को इनवेस्टर समिट कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से करीब दस हजार बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संभावना है तथा अभी तक दस हजार करोड़ रूपये का एमओयू साइन कर इंडेट भराए जा चुके है, जिसमें तहसील स्तर पर भी जिसमें कृषि विभाग, उद्यान विभाग आदि विभागों की योजनाओं में किया गया है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन केशवनाथ गुप्त आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार द्वारा हांथ से हांथ जोड़ो अभियान के पांचवें दिन खैर पंचायत पहुचा

मध्यप्रदेश सेमरिया विधानसभा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खैर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में घर–घर जाकर आम जनता जनार्दन से मुलाकात कर देश में लगातार बढ़ रही महंगाई, बेरोजगारी,गिरती अर्थव्यवस्था, एवं भाजपा की जनविरोधी नीतियों को लेकर आयोजित किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता धर्मेन्द्र तिवारी बब्बुल, लालमणि पाण्डेय, शिवकुमार तिवारी जवाहरलाल द्विवेदी, प्रशांत कुमार गर्ग, लक्ष्मी प्रसाद शर्मा,आनंद द्विवेदी संजीव द्विवेदी,कपिल देव सिंह,डॉ भारत सिंह अरूण द्विवेदी विरेन्द्र, राजेंद्र विश्वकर्मा,आनंद गुप्ता जी सुखेन्द्र तिवारी जी पुण्नेद्र सिंह जी दिलीप द्विवेदी ,धीरू सिंह प्रकाश तिवारी,शैशू तिवारी,मनीष तिवारी, अजय पाल ,एवं ब्लाक मझियार के सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवम्
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

क्या बाइडन ने पुतिन को यूक्रेन के 20: हिस्से की पेशकश की

रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि ब्। के निदेशक विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराध ाार है।

क्या है मामला?

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्। के निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में छ्ै ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्। निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्रष् की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन ने रूस के सामने झुकने से किया इनकार

विलियम बर्न्स और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जेक सुलिवन ने कहा कि युद्ध को जल्दी से समाप्त करना चाहते थे ताकि वे चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जबकि राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन रूस के सामने नहीं झुकना चाहते थे। दोनों ने नियम–आधारित शांति व्यवस्था और यूक्रेन के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य समर्थन का आह्वान किया। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि ब्। के निदेशक विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराध ाार है।

क्या है मामला?

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्। के निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में छ्ै ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्। निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्रष् की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन ने रूस के सामने झुकने से किया इनकार

विलियम बर्न्स और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जेक सुलिवन ने कहा कि युद्ध को जल्दी से समाप्त करना चाहते थे ताकि वे चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जबकि राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन रूस के सामने नहीं झुकना चाहते थे। दोनों ने नियम–आधारित शांति व्यवस्था और यूक्रेन के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य समर्थन का आह्वान किया।रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि ब्। के निदेशक विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराधार है।

क्या है मामला?

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्। के निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में छ्ै ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्। निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्रष् की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन ने रूस के सामने झुकने से किया इनकार

विलियम बर्न्स और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जेक सुलिवन ने कहा कि युद्ध को जल्दी से समाप्त करना चाहते थे ताकि वे चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जबकि राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन रूस के सामने नहीं झुकना चाहते थे। दोनों ने नियम–आधारित शांति व्यवस्था और यूक्रेन के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य समर्थन का आह्वान किया।रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि ब्। के निदेशक विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराधार है।

क्या है मामला?

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्। के निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में छ्ै ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्। निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्रष् की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन ने रूस के सामने झुकने से किया इनकार

विलियम बर्न्स और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जेक सुलिवन ने कहा कि युद्ध को जल्दी से समाप्त करना चाहते थे ताकि वे चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जबकि राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन रूस के सामने नहीं झुकना चाहते थे। दोनों ने नियम–आधारित शांति व्यवस्था और यूक्रेन के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य समर्थन का आह्वान किया।रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि ब्। के निदेशक विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराधार है।

क्या है मामला?

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्। के निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में छ्ै ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्। निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्रष् की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन ने रूस के सामने झुकने से किया इनकार

विलियम बर्न्स और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जेक सुलिवन ने कहा कि युद्ध को जल्दी से समाप्त करना चाहते थे ताकि वे चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। जबकि राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन रूस के सामने नहीं झुकना चाहते थे। दोनों ने नियम–आधारित शांति व्यवस्था और यूक्रेन के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य समर्थन का आह्वान किया।रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जो खुलासा हुआ है वह बेहद चौंकाने वाला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से परेशान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन के 20 फीसदी हिस्से की पेशकश की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सीआईए के एक अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया कि वह रिपोर्ट जिसमें कहा गया है कि ब्। के निदेशक विलियम बर्न्स ने जनवरी में मॉस्को की एक गुप्त यात्रा की थी और वहां एक शांति प्रस्ताव रखा गया था, यह पूरी तरह से गलत है। यह खबर बिल्कुल निराधार है।

क्या है मामला?

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्। के निदेशकों ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने और जानकारी देने के लिए गुप्त रूप से यात्रा की। बाद में छ्ै ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्। निदेशक विलियम बर्न्स देशों के बीच शांति समझौते की दलाली करने का प्रयास कर रहे थे लेकिन कीव और मॉस्को दोनों ने कथित तौर पर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव में यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्रष् की पेशकश की गई थी, लेकिन कीव ने प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया क्योंकि वे अपने क्षेत्र को विभाजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। जबकि रूस ने कहा कि वे वैसे भी लंबे समय में चल रहे युद्ध को जीतेंगे ही।

सोसायटी के द्वारा नल लगवाया गया

नवा कांति सोसाइटी के द्वारा जैनपुर कानपुर देहात में सोसायटी के द्वारा नल लगवाया गया जिसका शुभारंभ राम सिंह ने फीता काटकर किया इस मौके पर सोसाइटी की जिला मैनेजर रामकिशन हरिओम त्यागी दानियल सिंह धर्मराज मानसिंह श्याम सिंह फूल सिंह कपिल आनंद सुमन राखी बंदना आदि लोग मौके पर उपस्थित रहे सोसाइटी भारत देश के कई राज्यों में सोशल वर्क का कार्य करती है जहां पर लोग पानी से परेशान है उनके लिए पानी की व्यवस्था जहां पर लोग ठंड से परेशान है उनके लिए गर्म कपड़ों की व्यवस्था आप लोग सिलाई सीखना चाहते हैं उनके लिए सिलाई केंद्र की व्यवस्था जहां पर लोग वृद्ध लोग परेशान है उनके लिए वृद्ध आश्रम खुलवा कर सोसाइटी लगातार जनहित का कार्य कर रही है यह सभी कार्य सोसाइटी के डायरेक्टर कांतिलाल जी के सहयोग से चल रहा है।

बजट में रखा गया है हर वर्ग की जरूरतों का ख्याल- सांसद ई०प्रवीण निषाद

संत कबीर नगर क्षेत्रीय सांसद ई०प्रवीण निषाद ने बजट पेश होने की कार्यवाही के दौरान लोकसभा में उपस्थित रहे ।उन्होंने बजट को जन–आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला व अमृत काल में भारत को नई दिशा दिखाने वाला युगांतकारी बजट बताया ।उन्होंने बताया कि इस बजट में हर वर्ग की जरूरतों का खघस खघ्याल रखा गया है ।उन्होंने कहा कि सात लाख रुपए तक की सालाना आय वाले लोगों के कर को माफ किए जाने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है तथा इससे मध्यम वर्ग को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत छ6 हजार करोड़ के पैकेज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि अब नीति–निर्माण में मछुआ समाज के हितों का खघ्याल रखा गया इसके अलावा हरित ऊर्जा, आर्टिफिशल इंटेलिजेन्स, मोटे अनाज, आहार सुरक्षा, कृषि स्टार्ट–अप्स जैसे विषयों पर बजट में प्रावधान करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्नदर्शी व दूरदर्शी विजन का परिचायक है। श्री निषाद ने कहा कि बजट को सर्व–समावेशी व जन–कल्याणकारी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन जी का बजट पेश करने में जो कार्य किया है उसकी जितनी सराहना की जाए वह कम है श्री निषाद ने कहा कि इस बजट को सही मायने में अमृत काल का बजट है।

बजट किसानों बेरोजगारों के लिए निराशाजनक...राघवेन्द्र यादव

जिला अध्यक्ष ग्रामीण कानपुर समाजवादी पार्टी दि ग्राम टुडे,कानपुर।

(सूर्यनारायण) बजट पर दी ग्राम टुडे के साथ अपनी राय रखते हुए समाजवादी पार्टी के कानपुर जिला अध्यक्ष ग्रामीण राघवेंद्र यादव ने इस बजट को किसानों, बेरोजगारों के लिए निराशा जनक बताया। इसमें किसानों के लिए कोई खास सहूलतें नहीं दी गई, जिस तरह महंगाई बढ़ रही है उसके अनुसार सिर्फ लोक लुभावन वादे किए गए हैं। युवाओं के लिए बजट में विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। देश के बड़े बड़े पूंजी पतियों के लिए यह बजट सकारात्मक रहा।

बजट से आमजन को मिलेगी राहत... व्यवसाई तारन सिंह

(सूर्यनारायण) बजट पर आमजन की राय जानने के लिए दि ग्राम टुडे संवाददाता सूर्यनारायण ने व्यवसाई तारन सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि यह बजट मिला जुला रहा, आम जनता को कुछ राहत मिलेगी। शिक्षा के लिए इस बार बजट में कम ध्यान दिया गया, बेरोजगारी पर जितना फोकस होना चाहिए था हुआ नही।

मोदी सरकार ने अपनी दुसरी पारी के अंतिम बजट मे सभी वर्गो को लुभाने की कोशिश की हैं

मोदी सरकार ने अपनी दुसरी पारी के अंतिम बजट मे सभी वर्गो को लुभाने की कोशिश की हैं। यह बजट वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बनाया गया है। सरकार ने किसी बड़े सुधार की घोषणा नहीं की हैं। जिससे देश की अर्थव्यवस्था मे बड़े सुधार का नीतिगत नहीं किया गया है। मजबुत बुनियादी ढांचे की निर्माण का प्रयास नही किया गया है। इस आम बजट को लेकर युवावों मे खास उत्साह नहीं है।

भगवान श्री राम के पद चिन्हों पर चला जाये तो बदल सकता है मनुष्य का जीवन राजेन्द्र पांडेय जी महाराज

उत्तर प्रदेश के जकिनपद लखीमपुर खीरी के विकास खंड मितौली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत ओदारा में स्थिति गायात्री माता मंदिर पर चल रही 29 वी सप्त दिवसीय गायत्री महायज्ञ में लखनऊ की पावन धरती से पधारे श्री राजेन्द्र पांडेय जी महाराज के मुखारबिन्दु से रामचरित मानस की विशेषता बताते हुए नवधा भक्ति की कथा सुनाई नवधा भक्ति की कथा सुनकर श्रोता हुए मंत्र मुग्ध महराज ने बताया कि शबरी को प्रभु श्री राम नवधा भक्ति करते हुए ही दर्शन हुए शबरी श्री मतंग मुनि की शिष्या थी और उनके द्वारा बताए नवधा भक्ति करते हुए प्रतिदिन शबरी प्रभु श्री राम की राह देखती रहती थी और उनको अपने गुरु मतंग मुनि की बात पर पूरा विश्वास था कि उनके द्वारा बताया गया था कि प्रभु श्री राम जब त्रेतायुग में अवतार लेंगे तब अपनी भार्या को ढूढ़ते हुए इसी रास्ते से गुजकर कर लंका को पहुँचेंगे उदार श्री राम उसे गति देकर शबरी के आश्रम में पधारे शबरी प्रभु श्री रामचन्द्र को अपनी कुटिया में देखकर बहुत प्रशन्न हुयी और अपने गुरू के वचनों को याद करने लगी और प्रभू श्री राम के चरणों मे लिपट पड़ी और इतना प्रश्न है मि मुख से शब्द नही निकल पा रहे थे और बार चरणों मे प्रणाम करती रही और जल लाकर चरणों को धुल कर सुंदर आसन दिया और बैठाया अगर नवधा भक्ति से जैसे शबरी को प्रभु के दर्शन हुए वैसे ही अगर प्रभु श्री राम के पद चिन्हों पर चला जाये तो बदल सकता है जीवन

धारें महावीर वाणी णो हीणे णो अइरीत्ते है यह समत्व वाणी

आदमी अपने से नीचे को देख कर ही रह सकता आनंद में ।ऊपर वालों को देख कर तो आती निराशा ही हाथ में । अतः हम न जीयें अहंकार में और न ही हीन भाव में ।पहचानें अपनी महत्ता को और जीएं गौरव के साथ में। पट होंठों का खोले जो तोल कर द्य मिसरी सी मिठास और साथ में सीमित हो शब्द द्य समयोचित जिनका वचन द्य पाते सम्मान और वर्चस्व द्य सभ्य व्यक्ति की होती यही पहचान। पहनलो हम चाहे कितने भी कीमती वस्त्र या आभूषण पर बोली खोल देती है की है व्यक्ति कितने पानी में ? जैसे कोयल और काग दोनो दिखते एक जैसे । बोल मीठे कोयल के दिल जीत लेते पर कर्कश बानी काग की किसी भी कर्ण को न पल भाते । सन्तो की वाणी हम सबको लगती प्यारी । नेताओं के वच लगते थोथे भाषण । बातों में छिड़ जाता युद्ध महाभारत । बात ही बात में बन जाती बिगड़ी बात भी ।मीठी हो पर हो न बू चापलूसी या मिथ्या की । आवश्यक और साथ में अनावश्यक का रहे खघ्याल । खोलो जबान अपनी संभाल कर । तालाब एक ही है उसी तालाब मे हंस मोती चुनता है और बगुला मछली । सोच –सोच का फर्क होता हैद्य आपकी सोच ही आपको छोटा – बडा बनाती है द्य जैसी सोच होगी वैसी ही वाणी होगी द्य हमारा मन भी और निश्चित ही रहता होगा उसका भी मन विचलित जब हमारे व्यवहार में कभी–कभी हो जाती है बोल–चाल भी वह मच जाता है किसी के साथ बवाल भी। ऐसे में समझदारी है यही वो करे न करे हम तो बिन माँगे ही कर दें उसे क्षमा जिससे हम रखे मन को हल्का ।

कानपुर देहात में 3 दर्जन बच्चों को स्वेटर वितरण किए गए

दि ग्राम टुडे आज नवा कांति सोसाइटी के द्वारा ग्राम नबीपुर तहसील अकबरपुर जनपद कानपुर देहात में 3 दर्जन बच्चों को स्वेटर वितरण किए गए जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इंदर सिंह नबीपुर हरिओम त्यागी कपिल आनंद नरेंद्र अनिल फूल सिंह और जिन बच्चों को स्वेटर दिए गए उनके नाम यह है सोहेल रौनक आशीष मोहित यीशु सिप्पी आकाश विकास सोनम सूरज शिवांग काजल मयंक गुनगुन हैप्पी प्रज्ञा राजा काजल लालू दिनेश आज बच्चों को स्वेटर दिए गए सोसाइटी भारत देश के कई राज्यों में सोशल वर्कर काम करती है आप लोग पानी से परेशान उनके लिए पानी की व्यवस्था जहां पर लोग सर्दी से परेशान उनके लिए कंबल जैकेट स्वेटर की व्यवस्था जहां पर बच्चे शिक्षा के लिए इच्छुक हैं उनके लिए कंप्यूटर सेंटर कोचिंग सेंटर वोकेशनल सेंटर जहां पर महिलाएं सीखने के इच्छुक हैं उनके लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र कढ़ाई बुनाई काफी काम सिखाया जाता है सोसाइटी भारत देश के कई राज्यों में सोशल वर्क तक काम करती है यह सभी का सोसायटी के डायरेक्टर ग्राम कांतिलाल जी के सहयोग से चल रहा है और चलता भी रहेगा।

कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

कोंच(जालौन) आरआर अकादमी के सभागार में स्व. राजीव नारायण दास अग्रवाल स्मृति सेवा समिति द्वारा कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के प्रेरणास्रोत स्व. राजीव अग्रवाल नदीगांव के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर कवि सम्मेलन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। वहीं सिनेमा के क्षेत्र में कोंच का नाम रोशन करने पर राहुल कश्यप एवं अंजली तिवारी निशि को भी कोंच गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया ।सूरज सिंह परिहार, राकेश अग्रवाल, नेहा कुमारी कनासी एवं आकांक्षा पांचाल के आतिथ्य और युवा कलमकार अर्पिता पटेल दिरावटी की अध्यक्षता में संजोए गए इस कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं कीर्तिशेष राजीव अग्रवाल के चित्र पर पुष्पार्चन से हुई। सरस्वती वंदना भगवताचार्य सागर बोहरे ने प्रस्तुत की। कवि संजय सिंघाल, राजेंद्र सिंह गहलोत रसिक, नरेंद्र मोहन मित्र, भास्कर सिंह माणिक्य, हास्य कवि ओंकार नाथ पाठक, राजेश चंद्र गोस्वामी, दिनेश मानव, नवोदित कवियित्री आकांक्षा पांचाल, नेहा कुमारी, अर्पिता पटेल, हास्यकवि अरुण वाजपेयी, साहित्यकार डॉ. हरिमोहन गुप्त, राहुल कश्यप, प्रिंसी अग्रवाल आदि ने अपनी रचनाओं के माध्यम से व्यवस्था पर चोट की, साथ ही अपनी सकारात्मक सोच का उम्दा मुजाहिरा किया। स्व. राजीव अग्रवाल को श्रद्धांजलि देते हुए शिक्षा से जुड़े अजय भारती ने कहा कि असमय उनका चला जाना वेदना पूर्ण है वह बिना किसी शोर शराबे के हमेशा सामाजिक कार्यो में लीन रहे हैं। सूरज सिंह परिहार ने भी अपने संस्मरण सुनाए। सभी अतिथियों एवं कवियों को स्मृतिचिन्ह एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राकेश अग्रवाल फुलेला वाले, कुलदीप जादौन, महेंद्र चंदेरिया, अंकित चंदेरिया, पंकज तिवारी, राहुल तलवाड़, मुकेश कुशवाहा, अर्पित वाजपेयी, जान्हवी अग्रवाल, निश्चल मयंक आदि उपस्थित रहे। आभार पारसमणि अग्रवाल ने जताया।

बजट की भूलभुलैया में खोया आदमी

(लेखक भारत गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति जी के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। अहिंसा आयोग और अहिंसक सभ्यता के पैरोकार हैं।)भारत में भारत की खोज, एक अबूझ पहेली है। हर भारतीय इस बजट से प्रभावित होता है और वह सोचता है कि उसके लिए सरकार क्या नया करने वाली है। बजट जब पेश होता है तो भारत में दो तरीके की राय बनती है। एक राय यह होती है कि सरकार ने बहुत बढ़िया बजट पेश किया है और सबके हितों का ख्याल रखा है। सभी को फायदे ही फायदे मिलने वाले हैं। खुदरा व्यापारी, किसान, मजदूर और पान ठेले वाले से लेकर कॉर्पोरेट घराने तक बजट में अपने भारत की तस्वीर देखते हैं और वह अपने अनुसार इस निर्णय पर भी पहुँच जाते हैं कि इस बजट से उसे इतने प्रतिशत का लाभ होने जा रहा है। दूसरी राय होती है उन लोगों की जो बजट से खूब गुस्साये होते हैं। उन्हें सरकार का सबसे बुरा बजट कहने में कोई संकोच नहीं होता है। उन्हें बस यह लगता है कि भारत डूबने वाला है। बजट का अर्थशास्त्र भारत के समाजशास्त्र से किस प्रकार आबद्ध होता है इसे तो बड़े अर्थशास्त्री समझते हैं और वे अपने विश्लेषण में इसके गुण व अवगुण पर अपनी राय रखते हैं। सरकार किसी की भी हो, वह अपने बजट को जनता का हितैषी बताती है और उसके लिए मीडिया से विभिन्न तरीके की बहस के माध्यम से माइंडसेट बनाने की कोशिश करती है कि वास्तव में जो बजट आया है वह सबके लिए अमृत–बजट है। जब अमृतकाल का बजट नहीं होता था तब भी ऐसे ही बजट को सरकार के पक्षकार उसे अमृत बजट ही कहते थे।

भारत में नेहरू के जमाने से लेकर नरेंद्र मोदी के शासनकाल तक विभिन्न सरकारें आयीं और अपने अपने बजट को जन–हितैषी बताती रहीं। नेहरू से लेकर लालबहादुर शास्त्री तक बजट को आम जनता ध्यान नहीं देती थी। इन्दिरा गांधी, राजीव गांधी से लेकर बीपी सिंह व चन्द्रशेखर सिंह की सरकार तक बजट के बारे में ज्यादा जानने की उत्सुकता थी। पीबी नरसिम्हा राव, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह के जमाने में मीडिया से सोशल मीडिया पर खूब चर्चा शुरू हो गई। अब तो डिजिटल इंडिया के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो उसके बजट को गाँव–गिरांव, महानगर और जंगल में रहने वाले लोग भी बजट को जानने की इच्छा रखते हैं। ये बजट सुदूर नौकरी कर रहे सेना के जवान भी देखते हैं। यह बजट और भी लोग इंतजार करते हैं। शायद उनका हमें भान नहीं होता है। लेकिन जिनका हमें एहसास नहीं है उनके नाम का बजट ना के बराबर होता है जिसकी वजह से हम खुद एक समय निराश होते हैं। बजट में यदि वे भी शामिल होते और उन पर भी सरकार ज्यादा चिंतित होती तो निःसन्देह हमारे देश की आबो–हवा, पर्यावरण सब ठीक होते। हमारे जंगल और जीव–जंतुओं के साथ प्रकृति पर खर्च करने के लिए सरकारें कंजूस होती हैं और इसका परिणाम होता है हमारे देश में विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता है और जोशीमठ जैसे किस्से उभरकर सामने आते हैं तो जैसे–तैसे दूसरे बहुत से प्रावधान किए गए बजट से हम जीवन–रक्षा के लिए यत्न करने लगते हैं।

यह बात गौर करने वाली है कि शिक्षा और प्रकृति के लिए बजट में ज्यादा प्रावधान न करना कितना हमारे लिए घातक होता है। प्रकृति की सुरक्षा के लिए यदि बजट हो, जीवों की रक्षा के लिए बजट हो, शिक्षा के लिए भी पर्याप्त बजट हो तो निश्चित रूप से हम सतत सभ्यता के विकास वाला बजट उसे कहेंगे किन्तु नेहरू जी के जमाने से ही प्रकृति को अपने बिना पर छोड़ दिया जाता है। जंगल और जानवरों को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। यदि जंगल नहीं रहेंगे, जीव नहीं रहेंगे, ग्लेशियर नहीं रहेंगे, प्रकृति की अन्य खूबसूरती नहीं रहेगी, जंगल की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी, किसान और कृषि सभ्यता आहत होगी तो सोचिए एक विकृत सी स्थिति हमारी होगी। बजट में अनेकों लोग अपने टैक्स के बचाव के बारे में सोचते हैं लेकिन कभी किसी भी कोने से ऐसी आवाज नहीं आती कि हमें प्रकृति के बचाव के लिए अमृत बजट चाहिए। शिक्षा का भी अमृत बजट आज तक पेश नहीं हुआ। सैन्य बल के लिए बजट व हथियारों की खरीदी के लिए दिये गए बजट से शिक्षा के बजट की तुलना कर लीजिये तो सच का पता चल जाएगा कि सरकारें आयीं और गईं, वे अपने नागरिकों को देना क्या चाहीं?

टैक्स की बचत, उपभोग की वस्तुओं की खरीदी में बचत, सुविधापूर्ण जीवन में उपयोगी बस्तुओं में अपने बचत की बात करती भारतीय जनता कभी अपने सरकार से सवाल नहीं करती की यदि हमारे जीवन के लिए उपयोगी प्रकृति नहीं रहेगी तो हम और हमारी नस्लें कैसे अधिक समय तक अपने अस्तित्व की रक्षा कर सकेंगी।

आजादी के अमृत वर्ष के बाद प्रथम अमृत वर्ष कहकर जो बजट पेश किया गया उसके विश्लेषक कई लाभ और हानि गिना रहे हैं। इसका पता आने वाले समय में चलेगा कि वास्तव में सरकार ने अपने नागरिकों के लिए क्या किया। लेकिन एक बात यह तय है कि सरकार को अपव्यय से बचना आवश्यक है। उसे बजट में टैक्स की चोरी होने से जितना नुकसान है उसी मात्रा में कुछ अचिन्हित उपक्रम को भी टैक्स के दायरे में लाना चाहिए। उस सरकार का इंतजार भारत की जनता को जरूर है जो जन–प्रतिनिधियों के तक्स–एफआरआर जिंदगी पर टैक्स निर्धारित करेगी। भारत में अमृत भारत की खोज करती जनता जवान हुओकर और बूढ़ी होकर उस सरकार की तलाश कर रही है लेकिन जन–प्रतिनिधि से टैक्स मांगने वाली सरकार उसे मिली नहीं। ऐसी भी सरकार भारत की जनता चाहती है जो भारत की राजनीतिक पार्टियों से भी टैक्स ले सके। ऐसी अमृत सरकार का आगमन शायद भारत की आजादी के 100वें जश्न के बाद भी ना आए।

फिलहाल, हमारे देश में हर अच्छी–बुरी चीज का स्वागत किया जाता है। एक बार जो बजट पेश हो जाता है। मुझे नहीं लगता कि उसे री–कॉल करने का कोई अधिकार भारत में हो। भारत में बजट पेश, मतलब पेश हो गया। उसे अगले बजट आने तक कोई भी वापस करने के लिए दबाव नहीं बना सकता और न ही किसी नुकसान को देखकर भारत की माननीय कोर्ट उस पर पुनर्विचार करने के लिए स्वतः निर्देशित करती है। इस स्थिति में जो भी हो, जैसा भी हो, सरकार की अपनी मन मर्जी। उसे इसके लिए जनमत की अवश्यकता नहीं होती है। वह दो तिहाई बहुमत से चुनकर आयी हुई सरकार होती है तो वह कुछ भी प्रावधान कर सकती है। भारत में, यह चलन न समाप्त होने वाली एक सतत प्रक्रिया है और यह तब तक जारी रहेगा जब तक जनमत इस प्रकार की कोई पहल नहीं करता। जबकि सचाई यह है कि सरकारें कहने के लिए दो तिहाई लोगों द्वारा चुनी होती हैं। सचाई यह है कि जब मतदान ही 60 प्रतिशत होते हैं तो 60 प्रतिशत की दो–तिहाई हो चुकी पार्टी देश पर राज करती है और उसके द्वारा ही सभी संविधान के दायरे में कार्य सम्पन्न किए जाते हैं। बजट भी इस कार्यदायी जिम्मेदारी का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन इस बजट से ही भारत की गतिशीलता तय होती है तो यह बजट बहुत मायने रखते हैं। हिंदुस्तान ही नहीं विश्व की अनेकों सरकारों में ऐसे ही लोकतन्त्र का निर्वाह हो रहा है और वे सभी लोकतन्त्र वैश्विक नियामक संस्थाओं से अलग होकर कोई प्रावधान करने में अक्षम होकर कल्याणकारी होने के दावे से नहीं बचतीं।

झुग्गी झोपड़ी

सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित

सम्पादक

संजय कुमार यादव

RNI No.: UPHIN/2015/63182

दूरभष : 0532–2618074

मोबाईल : 9918366626

डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com

Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा